Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 240 | बुधवार, 09 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

गुजरात में पीएम मोदी का शक्ति प्रदर्शन, नवसारी में गूंजा विकास का संदेश

पीएम मोदी ने दिया 35 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगातः कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे पर रहा जोर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गुजरात। गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नवसारी में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मंच पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में जुटे लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने गुजरात में हो रहे विकास कार्यों और सरकार की योजनाओं का जिक्र किया। इससे पहले उन्होंने वडोदरा में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया।

वडोदरा में 35 हजार करोड़ से ज्यादा के विकास कार्य

नवसारी पहुंचने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वडोदरा में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण किया। इन परियोजनाओं में रेल, सड़क, आवास, जल आपूर्ति, शहरी विकास और नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े काम शामिल हैं। प्रधानमंत्री के गुजरात दौरे में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी पर विशेष जोर देखने को मिला।

नवसारी में पीएम मोदी का जोरदार स्वागत

नवसारी की जनसभा में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए गुजरात के विकास, कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यों पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री का मंच पर स्वागत और अभिनंदन भी किया गया। नवसारी से ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर चार मालगाड़ी सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। इससे माल परिवहन व्यवस्था को और मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में युवाओं का जोश

वडोदरा में आयोजित 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री मोदी से संवाद किया और उनके साथ बातचीत का अनुभव साझा किया। कई युवाओं ने कहा कि वे खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें नरेंद्र मोदी जैसा नेतृत्व देखने का मौका मिल रहा है। युवाओं ने पीएम मोदी की सकारात्मक सोच और जेनजी को आगे बढ़ाने पर दिए जा रहे जोर की भी तारीफ की। कुछ छात्रों ने बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर उत्साह जताया। उनका कहना था कि इससे गुजरात के विकास को नई गति मिलेगी। वहीं, युवाओं ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भविष्य में और काम होने की उम्मीद भी जताई।

'वाह... मेरा वडोदरा', पीएम मोदी ने स्वच्छता अभियान की तारीफ की

प्रधानमंत्री मोदी ने वडोदरा में चलाए गए स्वच्छता अभियान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि शहर के लोगों ने जिस तरह मिलकर सफाई अभियान चलाया, वह जनभागीदारी और सेवाभाव की मिसाल है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने अभियान से जुड़े वीडियो देखे और लोगों की भागीदारी देखकर उन्हें गर्व हुआ। उन्होंने कहा, 'वाह... मेरा वडोदरा!' प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि सफाई अभियान को केवल उनके दौरे तक सीमित न रखें। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव, नवरात्रि और दिवाली जैसे त्योहार आने वाले हैं, इसलिए शहर की स्वच्छता लगातार बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अनुसार, स्वच्छता और पर्यावरण अभियान के तहत पौधारोपण के लिए करीब 20 लाख पौधे वितरित किए गए।

खास कलाकृति लेकर पहुंचे शख्स

कार्यक्रम में एक व्यक्ति प्रधानमंत्री मोदी को खास 'इंप्रिंट आर्ट' भेंट करने पहुंचे थे। यह कलाकृति रीसाइकल किए गए कागज से तैयार की गई थी। उन्होंने बताया कि यह काम स्थानीय महिलाओं के साथ मिलकर सामुदायिक स्तर पर किया जाता है। हालांकि, कार्यक्रम स्थल पर अधिक भीड़ होने के कारण वह अंदर नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी से मुलाकात नहीं हो पाने का उन्हें मलाल रहा।

'झूठ की गूंज को हरायेगा सच', मोदी ने वडोदरा में विपक्ष पर फिर साधा 'नाराज फूफा' वाला निशाना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत लोगों और सामान की आवाजाही को तेज करने, नए आर्थिक अवसर पैदा करने और विकास को गति देने के लिए अपने बुनियादी ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार के बारे में देश में झूठ फैलाने में लगा है।

मोदी ने किसी का नाम लिये बिना कहा कि 'झूठ की गूंज को सच के सामने हार मिलेगी'। वह विभिन्न क्षेत्रों में विकास की 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। वडोदरा का यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के लिए विपक्ष पर तीखा राजनीतिक हमला करने का मंच भी बन गया। मोदी ने उन लोगों पर निशाना साधा, जो उनके अनुसार देश की प्रगति को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने फिर से 'नाराज फूफा' वाली टिप्पणी दोहराई और कहा कि कुछ लोग देश की उपलब्धियों के बावजूद लगातार असंतुष्ट रहते हैं।

वडोदरा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय (एमएसयू) के पवेलियन ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा 'नमो फॉर विकसित भारत' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का बुनियादी ढांचे पर जोर विकसित भारत की नींव तैयार करने के उद्देश्य से है। इस कार्यक्रम में एक ही मंच पर युवाओं के साथ संवाद और प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इसमें बड़ी संख्या में छात्र, युवा और नागरिक शामिल हुए।

मोदी ने कहा कि कुछ राजनीतिक विरोधी भारत के विकास से खुश होने में असमर्थ नजर आते हैं और लगभग हर मुद्दे पर शिकायत करते रहते हैं। परिवार में किसी समारोह के दौरान नाराज रहने वाले रिश्तेदार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष 'नाराज फूफा' की तरह व्यवहार कर रहा है, जो दूसरों की खुशियों और प्रगति के बीच भी असंतुष्ट रहता है।

मोदी ने भारत की उपलब्धियों के बारे में उनके अनुसार 'झूठ की गूंज' पैदा करने की कोशिशों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, 'युवाओं का सच, झूठ की गूंज को हरा देगा।'

पंजाब में 'गुंडा टैक्स और 'गैंग कल्चर' का बोलबाला

बीजेपी नेता तरुण चुघ का सीएम मान पर तीखा हमला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पंजाब। बीजेपी सांसद तरुण चुघ ने मंगलवार को पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला करते हुए उस पर गैंग कल्चर, माफिया और जबरन वसूली को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चुघ ने कहा पंजाब में भगवंत मान सरकार, अरविंद केजरीवाल के इशारे पर, पूरे राज्य में लगातार गैंग कल्चर, माफिया और जबरन वसूली के कल्चर को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया, वे आपराधिक गतिविधियों, माफिया और गैंगस्टरों को संस्थागत रूप दे रहे हैं, जिसकी वजह से आज पूरा पंजाब डर के माहौल में जी रहा है। इस सरकार के बनने के बाद पंजाब में पहली बार संगठित जबरन वसूली शुरू हुई है। चुघ ने कहा कि इसके नतीजे हर वर्ग में दिख रहे हैं, पंजाब में हर उद्योगपति, हर व्यापारी, हर डॉक्टर, हर अस्पताल प्रशासन, हर वकील, हर बड़े किसान, यहाँ तक कि नया वाहन खरीदने वाले किसी भी व्यक्ति को फोन कॉल आता है। इन कॉल्स के जरिए जबरन वसूली की मांग की जाती है।' राज्य में एक समानांतर व्यवस्था का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, 'गैंगस्टर लगातार पंजाब की शांति और सुकून से खिलवाड़ कर रहे हैं। हर व्यक्ति को ज़िंदा रहने और सुरक्षित रहने के लिए एक समानांतर 'गुंडा टैक्स' देना पड़ता है... पंजाब में एक समानांतर अर्थव्यवस्था चल रही है। पंजाब में एक समानांतर सरकारी व्यवस्था है। लोग बेबस हैं। उन्होंने आगे कहा लोग अपने परिवारों, बच्चों, कारोबार और घरों को लेकर डरे हुए हैं। फरवरी 2022 से माहौल ऐसा हो गया है कि गैंगस्टर, माफिया और जबरन वसूली करने वाले लोग भगवंत मान की सरकार का हिस्सा बन गए हैं। चुघ ने एक तस्वीर भी दिखाई और आरोप लगाया कि आपराधिक बैकग्राउंड वाला एक व्यक्ति बीजेपी को डराने के लिए उनके घर के बाहर हुए प्रदर्शन में शामिल था। उन्होंने कहा कि मैं आपको एक फोटो दिखा रहा हूँ। यह मेरे घर के बाहर का प्रदर्शन है... जिस व्यक्ति के हाथ में आम आदमी पार्टी का झंडा है... उसका नाम कमल बोरी है... मैंने उसके अपराधों की एक लंबी सूची बनाई है... पंजाब पुलिस खुद मानती है कि वह पूरी तरह से माफि या है, एक गैंग चलाता है और जबरन वसूली करता है।

यूपी का मतलब अल्टीमेट पोटेंशियल, टेक्सटाइल सेक्टर बनेगा नई औद्योगिक ताकतः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया दो दिवसीय यूपी टेक्सटाइल्स कॉन्क्लेव-2026 का उद्घाटन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी का मतलब अप यानी 'अल्टीमेट पोटेंशियल' है। उत्तर प्रदेश के पास विरासत, हुनर, मानव संसाधन, उद्योग, उद्यमिता और देश का सबसे बड़ा बाजार है। दुनिया की सबसे युवा वर्कफोर्स भी हमारे पास है। अब इसी ताकत के सहारे उत्तर प्रदेश को ग्लोबल टेक्सटाइल हब बनाना है। हमारा लक्ष्य फाइबर से यार्न, यार्न से फैब्रिक, फैब्रिक से गारमेंट और गारमेंट से ब्रांड होते हुए ग्लोबल मार्केट तक पूरी वैल्यू चेन प्रदेश में विकसित करने का है। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को दो दिवसीय यूपी टेक्सटाइल्स कॉन्क्लेव-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने यूपी टेक मित्र पोर्टल लॉन्च करने के साथ हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में टेक्सटाइल सेक्टर में 5,196 करोड़ रुपये के नए निवेश प्रस्तावों के एमओयू किए गए। साथ ही 163 करोड़ रुपये के लेटर ऑफ कम्फर्ट और 60 करोड़ रुपये की सब्सिडी का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने देशभर से आए टेक्सटाइल सेक्टर के प्रतिष्ठित उद्यमियों, निवेशकों, निर्यातकों, प्रदेश के परंपरागत बुनकरों, हथकरघा संचालकों और इस क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे युवाओं का स्वागत और अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की टेक्सटाइल पहचान हजारों वर्षों पुरानी है। वैदिक साहित्य से लेकर रामायण और महाभारत तक में काशी के रेशमी वस्त्रों का उल्लेख मिलता है। वाराणसी की सिल्क साड़ी, भदोही का कारपेट, लखनऊ की चिकनकारी, बरेली की जरी, कानपुर का टेक्सटाइल इकोसिस्टम और मेरठ में टेक्निकल टेक्सटाइल की संभावनाएं प्रदेश की विरासत और औद्योगिक क्षमता का प्रमाण हैं। प्रदेश में दो लाख हैंडलूम और पांच लाख से अधिक पावरलूम बुनकर इस सेक्टर की असली ताकत हैं। कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार का सृजन वस्त्र उद्योग करता है। उत्तर प्रदेश फैब्रिक मैन्युफैक्चरिंग में देश में तीसरे स्थान पर है और कुल फैब्रिक उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 13 से 14 प्रतिशत है। पिछले छह वर्षों में प्रदेश के वस्त्र, परिधान और हस्तशिल्प निर्यात में करीब 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यूपी इस सेक्टर में देश का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक राज्य बन गया है। वर्ष 2025-26 में 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निर्यात के साथ गौतमबुद्ध नगर देश के प्रमुख निर्यातक जिलों में दूसरे स्थान पर पहुंचा है। यूपी के 17 टेक्सटाइल उत्पादों को जीआई टैगमुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2030 तक 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर की टेक्सटाइल एवं अपैरल इकोनॉमी और 100 बिलियन डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है।

इस राष्ट्रीय संकल्प में उत्तर प्रदेश अपनी पूरी क्षमता से भागीदारी करेगा। ओडीओपी के माध्यम से प्रदेश के 35 से अधिक जिलों के वस्त्र और हैंडलूम उत्पादों को नई पहचान मिली है। प्रदेश के 17 टेक्सटाइल उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लाखों महिलाएं भी इस सेक्टर से जुड़कर आत्मनिर्भर हो रही हैं।

दुनिया की सबसे युवा वर्कफोर्स प्रदेश में उपलब्ध है, जो टेक्सटाइल सेक्टर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर हमला करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश की पहचान 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया' की बन गई थी। हर जनपद में माफिया की समानांतर सरकार चलती थी।

कानून व्यवस्था चौपट थी। माफिया जहां हाथ रख देता, वह जमीन उसकी हो जाती और तत्कालीन सरकार मौन बनी रहती थी। निवेशक व्यापार का सपना लेकर आता था और वसूली की पर्ची लेकर लौट जाता था। दंगे, कर्फ्यू, गुंडा टैक्स और माफिया के कारण उद्योग लगाना मुश्किल था। बिजली और विकास एक परिवार तक सीमित था। आज यूपी कर्फ्यू, दंगा, माफिया और उपद्रव से मुक्त है।

मिर्जापुर में पक्की सड़क की मांग पर 400 स्कूली बच्चों ने किया प्रदर्शन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मिजार्पुर। मिजार्पुर (उप्र), सात सितंबर मिजार्पुर जिले के चेरुईराम कंपोजिट विद्यालय के सामने सोमवार को 400 से अधिक स्कूली छात्रों ने अपने स्कूल के बाहर एक अच्छी सड़क बनाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना था कि स्कूल तक पहुंचने के लिए उन्हें खेतों की मेड़ों के किनारे-किनारे लगभग एक किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता है। जिला मुख्यालय से करीब आठ किलोमीटर दूर सिटी ब्लॉक के चेरुईराम कंपोजिट स्कूल के बाहर सुबह करीब 10 बजे स्कूल खुलने के समय पर प्रदर्शन शुरू हुआ। प्रदर्शन अधिकतर 13 साल तक की उम्र के इन बच्चों के साथ उनके माता-पिता और शिक्षक भी शामिल हुए। बारिश के बावजूद वे प्रदर्शन करते रहे। ग्रामीणों ने एक तिरपाल की शीट का इंतजाम किया, जिसके नीचे प्रदर्शनकारी अपना विरोध जारी रखे हुए थे। छात्रों ने मांग की कि सरकार, चुने हुए प्रतिनिधि और अधिकारी तुरंत इस समस्या का समाधान करें और स्कूल तक एक पक्की सड़क बनवाएं।

'हर चीज की एक सीमा होती है... सारा फंड कहाँ जा रहा है?'

सिविक कामों में लापरवाही पर दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कड़ा रुख

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में 50 साल पुरानी इमारत ढहने के दर्दनाक हादसे के बाद जहाँ एक तरफ राहत और बचाव कार्य जारी हैं, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री नागरिक (सिविक) कार्यों में देरी और लापरवाही को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को जमकर फटकार लगाती नजर आ रही हैं।

हालांकि वीडियो की सटीक पृष्ठभूमि और इसके सत्य निकेतन हादसे से सीधे जुड़ाव की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन आम जनता और सोशल मीडिया यूजर्स इसे प्रशासनिक ढिलाई पर मुख्यमंत्री की सख्त प्रतिक्रिया के रूप में देख रहे हैं। एक वीडियो में गुस्से में मुख्यमंत्री को यह कहते हुए सुना गया, 'हर चीज की एक सीमा होती है। मैं पिछले दो सालों से आपको 800 करोड़ रुपये का फंड दे रही हूं। सारा फंड कहां जा रहा है? क्या यह पैसा आपकी जेब में जा रहा है?' हालांकि बातचीत से यह साफ नहीं हुआ कि गुप्ता को किस बात पर गुस्सा आया, लेकिन ऐसा लग रहा था कि वह किसी इलाके में कुछ स्लैब ठीक करने के काम से नाखुश थीं। इसी वजह से उन्होंने दो अधिकारियों को फटकार लगाई। जब उनमें से एक ने सभी स्लैब ठीक करने के लिए एक हफ़्ते का और समय मांगा, तो उन्होंने उन्हें और भी ज्यादा फटकार लगाई और कहा कि वह इस तरह की समस्या को हल करने के लिए और समय नहीं दे सकतीं। यह वीडियो जल्द ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और कई यूजर्स ने जनसेवा के प्रति उनके सख्त रवैये की तारीफ की। एक यूजर ने पर लिखा कि यह देखना होगा कि क्या गुप्ता की फटकार से सरकारी अधिकारियों के काम करने के तरीके में कोई बदलाव आता है या नहीं।

उन्होंने लिखा, 'रेखा गुप्ता गुस्से में अधिकारियों को जमकर फटकार लगा रही हैं। देखते हैं मुख्यमंत्री की फटकार का क्या असर होता है।' एक अन्य यूजर ने लिखा कि गुप्ता के इस तरह के कदमों से ऊपर के स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित होती है। 'दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खराब काम और लगातार हो रही देरी को लेकर सिविक इंजीनियरों और अधिकारियों से मौके पर ही कड़े सवाल किए। जब अधिकारियों ने 'एक हफ़्ते का और समय' मांगा, तो उन्होंने उन्हें 24 घंटे की सख्त डेडलाइन दे दी और कल तक ठीक किए गए स्लैब की फोटो दिखाने को कहा। कोई फाइल नहीं, कोई बहाना नहीं – सीधे तौर पर जवाबदेही तय की गई!'

पुलिस गुंडों को केसीआर के घर पहुँचा रही, हिरासत में लिए गए केटीआर के कांग्रेस पर तीखे प्रहार

तेलंगाना(वेलकम इंडिया)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना पुलिस कांग्रेस कार्यकताओं और नेताओं को पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के आवास की ओर जाने में मदद कर रही थी। KTR ने आरोप लगाया कि जहाँ कांग्रेस कार्यकताओं और नेताओं को KCR के आवास की ओर जाने दिया जा रहा था, वहीं BRS नेताओं और कार्यकताओं को पुलिस रोक रही थी। KTR ने कहा, 'पुलिस उन कांग्रेस के गुंडों और उपद्रवियों की मदद कर रही है जिन्हें शहर से बाहर निकाला गया था, और उन्हें KCR के आवास तक पहुँचा रही है। उन्होंने कहा, लेकिन जब मैं अपने घर जाने की कोशिश करता हूँ, तो मुझे हमारी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं के साथ रोका जा रहा है।' KTR ने आगे आरोप लगाया कि पुलिस बैरिकेड लगाकर और कांग्रेस कार्यकताओं की आवाजाही में मदद करके 'KCR के घर पर हमले का रास्ता बना रही है।

संपादक की कलम

ई-बाजारः सुविधा से आगे टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नई चुनौती

भारत में खरीदारी की दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह केवल बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी। ई-बाजार की अगली कहानी केवल अधिक बिक्री की नहीं, बल्कि अधिक विवेकपूर्ण और अधिक टिकाऊ विकास की होनी चाहिए

ललित शर्मा
संपादक

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार नए प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता आदेशों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से आ रहा है। यह परिवर्तन भारत की आर्थिक संरचना के लिए विशेष महत्व रखता है। महानगरों के बाद अब छोटे शहरों का उपभोक्ता बाजार की अगली शक्ति बन रहा है। स्थानीय भाषा में सामग्री, क्षेत्रीय पसंद, छोटे व्यापारियों की डिजिटल उपस्थिति और कम लागत वाली आपूर्ति व्यवस्था आने वाले वर्षों में ई-बाजार के विस्तार को गति दे सकती है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार केवल तकनीक का बाजार नहीं होगा, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझने वाला बाजार होगा। इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। आज ऑनलाइन खरीदारों में नई पीढ़ी की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई बताई जा रही है और अनुमान है कि 2030 तक यही वर्ग डिजिटल खर्च का सबसे बड़ा समूह बन सकता है। यह केवल उम्र का परिवर्तन नहीं है, यह उपभोग की मानसिकता का परिवर्तन है। नई पीढ़ी विकल्पों की तुलना करती है, मूल्य की जांच करती है, दूसरे ग्राहकों की राय पढ़ती है और सुविधा को बहुत महत्व देती है। उसके लिए खरीदारी केवल वस्तु प्राप्त करना नहीं, बल्कि समय बचाना भी है। यही मानसिकता त्वरित वाणिज्य को असाधारण गति दे रही है। कुछ वर्ष पहले कुछ मिनटों में सामान पहुंचाने की कल्पना असंभव लगती थी, आज यह महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच रही है। अनुमान है कि 2030 तक त्वरित वाणिज्य का बाजार 65 से 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले पांच वर्षों में ई-बाजार की अतिरिक्त वृद्धि में इसका योगदान 45 से 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके साथ छोटे स्थानीय भंडार केंद्रों की संख्या 2025 के लगभग 2,525 से बढ़कर 2030 तक करीब 7,500 होने का अनुमान है। लेकिन यहां एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है-क्या हर वस्तु को कुछ मिनट में घर पहुंचाना वास्तव में प्रगति का अंतिम मानक है?

अभिमान उन्नति की रुकावट है

उदय कशोर साह

कविता

अभिमान चढ़े जब मन में,विवेक का दीप बुझ जाता है,
अपने ही गुणों का मद,इंसान को खुद से दूर कर जाता है।
जो स्वयं को सबसे ऊँचा समझे,वह सीखना भूल जाता है,
ज्ञान का बंद दरवाजा,प्रगति की राह रोक जाता है।

विनम्रता जिसकी पहचान,वही जीवन में आगे बढ़ता है,
झुककर जो ज्ञान ग्रहण करे,उसका हर कदम निखरता है।
अभिमान भले पलभर सुख दे,पर भीतर से मन को हरता है
नम्र हृदय ही कठिन राहों में,सफलता का दीप धरता है।

धन,पद,यश और शक्ति का,कभी न करना झूठा अभिमान
आज शिखर पर जो बैठा है,कल बदल सकता है उसका स्थान।
समय किसी के हाथ में नहीं,यही जीवन का सच्चा विधान
विनम्र रहकर कर्म करते चल, यही सफलता का सम्मान।

जो दूसरों को छोटा समझे,वह खुद भी छोटा हो जाता है,
अभिमान का ऊँचा महल,एक दिन धूल में मिल जाता है।
जो सबके गुण को मान दे,उसका बढ़ता सम्मान
मीठे बोल और नम्र व्यवहार से,हर दिल में बढ़ता मांन

अभिमान छोड़,विनम्रता ओढ़,यही उन्नति की सच्ची राह है
सीखते रहना,झुकते रहना,जीवन की सुंदर चाह है।
किशन मन में अहंकार नहीं,उसके आगे हर मंज़िल अथाह
अभिमान उन्नति की रुकावट है,विनम्रता ही विकास की राह

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया ।संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

हवा की परीक्षा में शहर टॉप, साँसों की कॉपी कौन जाँचेगा?

प्रो. आरके जैन
लेखक

लखनऊ ने करोड़-प्लस आबादी वाले शहरों में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण का नंबर-एक तमगा हासिल कर लिया है। बधाई! अब शायद हवा भी सरकारी प्रमाणपत्र लेकर चलेगी-देखिए, मैं देश की सबसे साफ हवा हूँ। खबर खुशी देती है, मगर पीछे एक कड़वी हँसी भी सुनाई देती है। हमारे यहाँ रैंकिंग का बड़ा जलवा है। नंबर मिलते ही उपलब्धि, प्रमाणपत्र मिलते ही समस्या खत्म! लखनऊ स्वच्छ वायु का सम्राट घोषित है। मगर असली सवाल दरबार के बाहर खड़ा है-यह ताज हवा के लिए है या रिपोर्ट के लिए? नागरिक हवा साँस में भरता है, व्यवस्था उसे आंकड़ों में। एक समय था जब शहर अपनी तहजीब, संस्कृति और पहचान से जाने जाते थे। अब महानगरों की नई पहचान है-कौन कितनी जहरीली हवा देता है। दिल्ली इस दौड़ में लंबे समय से चर्चित रही, मुंबई, कोलकाता और कानपुर भी पीछे नहीं रहे। ऐसे माहौल में लखनऊ का नंबर-एक पर पहुँचना सुखद है। विशेषज्ञों के अनुसार साफ परिवहन, धूल नियंत्रण, बेहतर कचरा प्रबंधन और हरियाली बढ़ाने के प्रयासों ने यह उपलब्धि दिलाई है। इन प्रयासों का स्वागत होना चाहिए। लेकिन सड़क पर निकलते ही एक दूसरा विशेषज्ञ मिलता है-आम नागरिक। उसकी आँखों में धूल, नाक में धुआँ और साँस में जलन है। वह पूछता है-अगर हवा सचमुच साफ हो गई है, तो मेरा अनुभव अब भी इतना धुँधला क्यों है? सरकारों को रैंकिंग से बड़ा प्रेम है। नंबर-एक मिलते ही भाषणों के फूल खिलते हैं, कैमरे चमकते हैं और उपलब्धियों की सूची लंबी हो जाती है। लगता है, जैसे प्रदूषण ने खुद आत्मसमर्पण कर दिया हो। मगर शहर की असली परीक्षा सभागार में नहीं, रिक्शा खींचते आदमी की साँस में होती है। स्कूल जाते बच्चे के सीने में होती है। उस बुजुर्ग की सुबह की सैर में होती है, जिसे थोड़ी दूर चलते ही खाँसी घेर लेती है। सवाल सीधा है-क्या उनकी साँस अब आसान हुई? अगर नहीं, तो रैंकिंग खुशी की खबर जरूर है, पर सफलता की मुहर अभी बाकी है।

हमारी व्यवस्था की अद्भुत कला है-बीमारी मिटाने से पहले उसकी रिपोर्ट सुधार देना। आदमी बीमार हो तो दवा चाहिए, मगर थमार्मीटर बदल देने से कागज पर बुखार जरूर उतर सकता है। प्रदूषण के मामले में खतरा यही है। आंकड़े सुधरें, अच्छी बात है; मगर हवा सुधरे, असली बात यह है। जिस बच्चे को अस्थमा की दवा चाहिए, उसके सामने नंबर-एक की रैंकिंग रख देने से सीना स्वस्थ नहीं होगा। जिस माँ को बच्चे को स्कूल भेजते समय मास्क पहनाना पड़े, उसके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार कोई पदक नहीं, बच्चे की बेफिक्र साँस है। आंकड़ा तभी सार्थक है, जब उसका असर इंसान की जिंदगी में दिखे। हरियाली बढ़ाने की घोषणाएँ हुईं, पेड़ लगाए गए। मगर सवाल है-कितने पेड़ बने और कितने सिर्फ तस्वीरों में खड़े रह गए? धूल रोकने के लिए सड़कों पर पानी छिड़का जाता है। पानी सूखते ही धूल फिर नाचने लगे तो यह इलाज नहीं, धूल को थोड़ी देर की छुट्टी है। कचरा प्रबंधन के वाहन दौड़ते हैं, मगर नाले कचरे से पटे रहें तो सफाई अधूरी है। इलेक्ट्रिक बसें प्रदूषण घटाने की अच्छी पहल हैं, लेकिन पूरा शहर ट्रैफिक जाम में फँसा हो तो समस्या सिर्फ बस के इंजन की नहीं, पूरी यातायात व्यवस्था की है। हवा साफ करनी है तो एक स्रोत नहीं, प्रदूषण की पूरी श्रृंखला पर प्रहार करना होगा। हमने जीवन को आंकड़ों में बदलने की ऐसी आदत डाल ली है कि अब खुशहाली का सूचकांक है और हवा की भी रैंकिंग। संख्या जरूरी है, क्योंकि मापे बिना सुधार का पता नहीं चलता। मगर संख्या को जीवन का पर्याय मान लेना भूल है। लखनऊ का नागरिक अखबार में पढ़ता है कि उसके शहर की हवा नंबर-एक है और उसी सुबह धूल से बचकर सड़क पार करता है। रात को खाँसी आए तो अखबार की वह खबर गले नहीं उतरती। यहीं आंकड़े और अनुभव आमने-सामने खड़े होते हैं। शहर सेंसर और सर्वेक्षण से नहीं, उसमें बसने वाले लोगों की साँस से सचमुच साफ साबित होता है।

फिर भी लखनऊ की उपलब्धि को कमतर आँकना उचित नहीं। किसी शहर ने प्रदूषण के विरुद्ध कदम उठाए हैं तो उसकी सराहना होनी चाहिए। साफ परिवहन, धूल नियंत्रण, कचरा प्रबंधन और हरियाली की दिशा में हुए कामों को और मजबूत करना होगा। मगर नंबर-एक को मंजिल मान लेना सबसे बड़ी भूल होगी। यह पुरस्कार उत्सव से अधिक जिम्मेदारी का प्रमाण बने। ताज मिल गया है तो अब उसे चमकाने से ज्यादा उसके नीचे के सिर को सुरक्षित रखने की चिंता होनी चाहिए। वरना तस्वीर वही रहेगी-सिर पर सोने का मुकुट और फेफड़ों में धूल। स्वच्छ वायु का सबसे सच्चा सर्वेक्षण किसी कार्यालय में नहीं, हर नागरिक के सीने में होता है। जब बच्चा बिना खाँसे खुले मैदान में खेल सके, बुजुर्ग बिना साँस फूले सुबह टहल सके, मजदूर दिनभर मेहनत करके भी हवा को अपना दुश्मन न समझे-तभी मानिए लखनऊ सचमुच नंबर-एक है। रैंकिंग उपलब्धि है, लेकिन असली परीक्षा अब शुरू हुई है। लखनऊ ने कागज पर पहला स्थान पा लिया; अब उसे यह स्थान लोगों की साँस में दर्ज करना है। कागज की जीत पर तालियाँ बज सकती हैं, मगर दिल तभी खुश होता है जब साँस बेखौफ हो। शहर की सबसे बड़ी रैंकिंग यही है-उसके नागरिक कितनी आजादी से साँस लेते हैं।

भाषाई पुनर्गठनः विविधता को स्वीकार कर मजबूत हुई भारतीय एकता

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

स्वतंत्रता के समय भारत के सामने केवल राजनीतिक स्वतंत्रता को स्थायी बनाने की चुनौती नहीं थी, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण भी करना था जिसमें भाषा, संस्कृति, परंपरा और क्षेत्रीय पहचान की असाधारण विविधता के बावजूद राष्ट्रीय एकता कायम रहे। ब्रिटिश शासन से विरासत में मिली प्रांतीय सीमाएँ प्रशासनिक सुविधा और औपनिवेशिक हितों के अनुरूप थीं। इनमें अनेक क्षेत्रों की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा गया था। इसलिए स्वतंत्रता के बाद भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की मांग स्वाभाविक रूप से उठी।

हालाँकि शुरूआती दौर में राष्ट्रीय नेतृत्व भाषाई राज्यों को लेकर आशंकित था। विभाजन की त्रासदी अभी ताजा थी और यह भय था कि यदि राज्यों का गठन भाषा के आधार पर किया गया तो क्षेत्रीय पहचान राष्ट्रीय पहचान पर हावी हो सकती है। किंतु भारतीय लोकतंत्र की विशेषता यही रही कि उसने इन आकांक्षाओं को दबाने के बजाय संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से समायोजित करने का रास्ता चुना। समय ने सिद्ध किया कि भाषाई पहचान को सम्मान देना भारत की एकता के लिए खतरा नहीं, बल्कि उसकी मजबूती का आधार बन सकता है।

भाषाई पहचान की राजनीतिक स्वीकार्यता स्वतंत्रता से पहले ही दिखाई देने लगी थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने प्रांतीय संगठनों का पुनर्गठन भाषाई आधार पर किया था। इसका उद्देश्य यह था कि जनता से संवाद उनकी भाषा और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों में बेहतर ढंग से हो सके। लेकिन स्वतंत्रता और विभाजन के बाद परिस्थितियाँ बदल गईं। राष्ट्रीय नेतृत्व तत्काल किसी बड़े क्षेत्रीय पुनर्गठन के पक्ष में नहीं था।

1948 में गठित धार आयोग ने तत्काल भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की अनुशंसा नहीं की। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल और पट्टाभि सीतारमैया की सदस्यता वाली जेवीपी समिति ने भी 1949 में राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक स्थिरता और नवगठित राष्ट्र की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उस समय यह सावधानी समझ में आती थी, क्योंकि देश राजनीतिक संक्रमण और सामाजिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा था।

लेकिन जन आकांक्षाओं को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता था। आंध्र क्षेत्र में तेलुगु भाषी जनता के लिए अलग राज्य की मांग तेज होती गई। पोट्टि श्रीरामुलु के 1952 के आमरण अनशन और उनकी मृत्यु ने इस आंदोलन को निर्णायक मोड़ दिया। व्यापक जनदबाव के बाद 1953 में आंध्र राज्य का गठन हुआ। यह घटना केवल एक राज्य के निर्माण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने देश के अन्य हिस्सों में भी भाषाई आधार पर राज्यों की मांग को गति दी। इसके बाद सरकार ने समस्या का व्यापक और संस्थागत समाधान खोजने का प्रयास किया। 1953 में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग, जिसकी अध्यक्षता फजल अली ने की, ने भाषाई और सांस्कृतिक आकांक्षाओं के साथ-साथ प्रशासनिक, आर्थिक तथा भौगोलिक व्यवहार्यता पर भी विचार किया। आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम तथा संविधान का सातवाँ संशोधन लागू हुआ। इसके परिणामस्वरूप भारत के प्रशासनिक मानचित्र में व्यापक बदलाव आया और 14 राज्यों तथा छह केंद्रशासित प्रदेशों की व्यवस्था अस्तित्व में आई।

भाषाई राज्यों का सबसे बड़ा योगदान यह रहा कि उन्होंने क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय पहचान के बीच टकराव को कम किया। जब किसी समुदाय को अपनी भाषा, संस्कृति और स्थानीय आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासनिक पहचान मिली तो अलगाव की भावना कमजोर हुई। लोगों को यह विश्वास मिला कि भारतीय संघ उनकी विशिष्ट पहचान को समाप्त करने के बजाय उसका सम्मान करता है।

भाषाई पुनर्गठन का दूसरा महत्वपूर्ण लाभ प्रशासनिक स्तर पर दिखाई दिया। मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में शासन-प्रशासन और सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता ने राज्य और नागरिक के बीच दूरी कम की। लोकतंत्र तभी प्रभावी होता है जब नागरिक शासन की भाषा और प्रक्रिया को समझ सके। क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशासन ने सामान्य नागरिकों की भागीदारी को अधिक सहज बनाया।

इस व्यवस्था ने लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को भी व्यापक बनाया। स्थानीय भाषा बोलने वाले राजनीतिक नेतृत्व को राज्य स्तर पर उभरने का अवसर मिला। इससे राजनीति अधिक जनसरोकारों से जुड़ी और विभिन्न क्षेत्रों की समस्याएँ राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनीं।

भाषाई राज्यों ने यह भी सिद्ध किया कि संघीय व्यवस्था में अलग-अलग क्षेत्रीय पहचानें राष्ट्रीय एकता के साथ सह-अस्तित्व रख सकती हैं। भारत का पुनर्गठन 1956 पर समाप्त नहीं हुआ। बदलती राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार राज्यों की सीमाओं में आगे भी परिवर्तन हुए।

1960 में महाराष्ट्र और गुजरात का गठन तथा 1966 में पंजाब के पुनर्गठन के साथ हरियाणा का निर्माण इसके महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। इससे स्पष्ट हुआ कि भारतीय संघ कोई स्थिर और अपरिवर्तनीय प्रशासनिक ढाँचा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को ढालने वाली व्यवस्था है। हालाँकि भाषाई राज्यों की सफलता का अर्थ यह नहीं कि भाषाई अस्मिता से जुड़ी सभी चुनौतियाँ समाप्त हो गईं। भाषाई बहुसंख्यकवाद, अल्पसंख्यक भाषाओं की उपेक्षा और क्षेत्रीय श्रेष्ठताबोध जैसी प्रवृत्तियाँ संघीय सद्भाव के लिए चुनौती बन सकती हैं। इसलिए भाषाई पहचान के संरक्षण के साथ भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा भी आवश्यक है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं को संवैधानिक और लोकतांत्रिक माध्यमों से सुना जाए। किसी भी क्षेत्र की पहचान को राष्ट्र-विरोधी मानना उतना ही अनुचित है जितना क्षेत्रीय पहचान को राष्ट्रीय पहचान से ऊपर रखना। सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन ही भारतीय संघवाद की वास्तविक शक्ति है।

भाषाई पुनर्गठन भारत के राष्ट्र-निर्माण की एक विशिष्ट उपलब्धि है। इसने यह महत्वपूर्ण सबक दिया कि विविधता को दबाकर एकता कायम नहीं की जा सकती। भारत ने अपनी भाषाई विविधता को संवैधानिक ढाँचे में स्थान देकर यह सिद्ध किया कि एकता समानता थोपने से नहीं, बल्कि विविधताओं को सम्मानपूर्वक समायोजित करने से मजबूत होती है। यही लचीला संघवाद आज भी भारत की लोकतांत्रिक स्थिरता और राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव सभ्यता की सबसे बड़ी उपलब्धि या सबसे बड़ा खतरा ?

एनके शर्मा
लेखक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सामने खड़ा आज का मनुष्य वस्तुतः अपनी ही बुद्धि के एक ऐसे प्रतिबिंब से सामना कर रहा है, जिसे उसने स्वयं निर्मित किया है, लेकिन जिसकी क्षमता, गति और प्रभाव अब उसके नियंत्रण की पारंपरिक सीमाओं को चुनौती देने लगे हैं। इसलिए यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव सभ्यता की सबसे बड़ी उपलब्धि है या सबसे बड़ा खतरा; असली प्रश्न यह है कि मनुष्य अपनी निर्मित बुद्धि का स्वामी बना रहेगा अथवा धीरे-धीरे उसका आश्रित, अनुयायी और अंततः बंदी बन जाएगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव की वैज्ञानिक यात्रा का असाधारण पड़ाव है। जिस काम को करने में मनुष्य को वर्षों का प्रशिक्षण, हजारों घंटे का श्रम और विशाल संसाधन चाहिए थे, वही काम आज कुछ क्षणों में किया जा सकता है। चिकित्सा में रोगों की पहचान, दवाओं की खोज, कृषि में उत्पादन का पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, अंतरिक्ष अनुसंधान, शिक्षा, भाषा-अनुवाद, यातायात नियंत्रण और वैज्ञानिक विश्लेषण-असंख्य क्षेत्रों में अकने मानव क्षमताओं का विस्तार किया है। Stanford के 2025 AI Index के अनुसार अक की क्षमताएँ अनेक कठिन बेंचमार्कों पर बहुत तेजी से बढ़ी हैं और 2024 में 78 प्रतिशत संगठनों ने किसी न किसी रूप में अकका उपयोग करने की सूचना दी।

लेकिन यहीं से एक असहज प्रश्न जन्म लेता है-क्या क्षमता का विस्तार हमेशा कल्याण का विस्तार होता है? इतिहास इसका उत्तर 'नहीं' में देता है। परमाणु ऊर्जा ने बिजली भी दी और परमाणु बम भी; इंटरनेट ने ज्ञान को लोकतांत्रिक भी बनाया और दुष्प्रचार की अभूतपूर्व शक्ति भी पैदा की। तकनीक स्वयं न देवता होती है, न दानव। उसका चरित्र इस बात से निर्धारित होता है कि उसे किस उद्देश्य से, किसके हाथों और किन नैतिक सीमाओं के भीतर इस्तेमाल किया जा रहा है।

अकका सबसे बड़ा खतरा शायद यह नहीं कि मशीनें मनुष्य से अधिक बुद्धिमान हो जाएँगी, बल्कि यह है कि मनुष्य अपनी स्वतंत्र बुद्धि का उपयोग करना ही कम कर देगा। यदि विद्यार्थी उत्तर सोचने के बजाय मशीन से उत्तर लेने लगे, पत्रकार तथ्य जाँचने के बजाय मशीन की भाषा पर भरोसा करने लगे, न्याय व्यवस्था मानवीय विवेक के बजाय एल्गोरिद्मिक अनुमान पर निर्भर होने लगे और शासन नागरिकों को डेटा के रूप में देखने लगे, तो सभ्यता तकनीकी रूप से उन्नत लेकिन बौद्धिक रूप से दरिद्र हो सकती है।

अककी दूसरी बड़ी चुनौती सत्य की है। डीपफेक, कृत्रिम आवाजें, नकली तस्वीरें और स्वचालित दुष्प्रचार अब ऐसी वास्तविकता बन चुके हैं जिसमें आँखों देखा और कानों सुना भी प्रमाण नहीं रह जाता। लोकतंत्र का आधार केवल चुनाव नहीं, बल्कि नागरिक का तथ्य पर विश्वास है। यदि सत्य और असत्य के बीच की सीमा धुंधली हो गई, तो लोकतांत्रिक समाजों में अविश्वास, ध्रुवीकरण और सामाजिक संघर्ष की नई जमीन तैयार हो सकती है। Stanford AI Index ने 2024 में अक-संबंधी दर्ज घटनाओं की संख्या 233 बताई थी; 2026 की रिपोर्ट में यह संख्या बढ़कर 362 हो गई।

रोजगार का प्रश्न भी उतना ही गंभीर है। अक अनेक नौकरियों को समाप्त नहीं तो कम-से-कम उनके स्वरूप को अवश्य बदल रहा है। भविष्य की अर्थव्यवस्था में केवल यह महत्वपूर्ण नहीं होगा कि कौन कितना काम करता है, बल्कि यह भी कि कौन अकके साथ कितनी प्रभावी ढंग से काम कर सकता है। इससे उत्पादकता बढ़ सकती है, लेकिन यदि तकनीकी लाभ का अधिकांश हिस्सा कुछ कंपनियों और पूँजी-समूहों तक सीमित रहा, तो आर्थिक असमानता और गहरी हो सकती है। जिस तकनीक को मानव श्रम मुक्त करना था, वही कहीं ऐसा न कर दे कि मनुष्य आर्थिक रूप से अनावश्यक समझे जाने लगे। सबसे गंभीर चिंता सत्ता और अक के गठजोड़ की है। जिसके पास विशाल डेटा, शक्तिशाली कंप्यूटिंग संसाधन और उन्नत अकमॉडल होंगे, उसके पास केवल आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करने की असाधारण क्षमता भी होगी। नागरिक की पसंद, रुचि, भय, आदत, राजनीतिक प्रवृत्ति और उपभोग व्यवहार का विश्लेषण यदि बड़े पैमाने पर किया जा सके, तो लोकतंत्र और निगरानी-राज्य के बीच की दूरी भयावह रूप से कम हो सकती है। इसलिए अक का प्रश्न केवल 'मशीन कितनी बुद्धिमान है' नहीं, बल्कि 'उस बुद्धिमत्ता का नियंत्रण किसके पास है' भी है। यही कारण है कि विश्व समुदाय अब अक को केवल तकनीकी नवाचार के रूप में नहीं देख रहा। UNESCO ने मानव गरिमा, मानवाधिकार, पारदर्शिता, निष्पक्षता, पर्यावरणीय स्थिरता, जवाबदेही और मानवीय निगरानी को अकशासन के केंद्रीय सिद्धांतों में रखा है। उसका स्पष्ट आग्रह है कि अंतिम जिम्मेदारी मनुष्य से मशीन को हस्तांतरित नहीं की जानी चाहिए।

अमेरिका का NIST भी AI Risk Management Framework के माध्यम से इस बात पर जोर देता है कि अकसे जुड़े जोखिम केवल तकनीकी नहीं हैं; वे व्यक्ति, समुदाय, संस्थाओं, समाज और पर्यावरण तक फैल सकते हैं। अककी प्रकृति सामाजिक-तकनीकी है-अर्थात उसका प्रभाव केवल उसके कोड से नहीं, बल्कि उसके इस्तेमाल करने वाले मनुष्यों और सामाजिक परिस्थितियों से भी निर्धारित होता है।

इसलिए समाधान अकको रोकना नहीं, बल्कि उसे मर्यादित करना है। जिस प्रकार परमाणु ऊर्जा के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल, जैव-प्रौद्योगिकी के लिए नैतिक मानक और वित्तीय संस्थाओं के लिए नियमन आवश्यक है, उसी प्रकार अक के लिए भी वैश्विक स्तर पर जवाबदेही, ऑडिट, पारदर्शिता, डेटा-सुरक्षा और मानव निगरानी अनिवार्य होनी चाहिए। किसी एल्गोरिद्म का निर्णय किसी व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, रोजगार, ऋण, शिक्षा या न्याय को प्रभावित करता है तो उसके पीछे जवाबदेह मनुष्य और अपील की व्यवस्था होनी ही चाहिए।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र के लिए यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है। अक शिक्षा को सस्ता और व्यापक बना सकता है, भारतीय भाषाओं को डिजिटल शक्ति दे सकता है, ग्रामीण स्वास्थ्य और कृषि को नई दिशा दे सकता है तथा प्रशासन को अधिक कुशल बना सकता है। लेकिन यही तकनीक यदि भाषाई, सामाजिक या आर्थिक पूर्वाग्रहों से प्रशिक्षित हुई तो पुराने भेदभाव को डिजिटल शक्ति मिल सकती है। इसलिए भारत को केवल अकका उपभोक्ता नहीं, बल्कि मानव-केंद्रित और लोकतांत्रिक अक का निमार्ता बनना होगा। अंततः कृत्रिम बुद्धिमत्ता न मानव सभ्यता की स्वतःसिद्ध सबसे बड़ी उपलब्धि है, न अपरिहार्य रूप से उसका सबसे बड़ा खतरा। वह मनुष्य की सामूहिक बुद्धि, लालसा, नैतिकता और सत्ता-संरचना का विस्तार है।यदि बुद्धि के साथ विवेक, शक्ति के साथ संयम और नवाचार के साथ उत्तरदायित्व जुड़ा रहा, तो अकमानव इतिहास की महानतम उपलब्धियों में शामिल हो सकती है। लेकिन यदि हमने बुद्धिमत्ता को विवेक से, गति को नैतिकता से और तकनीकी शक्ति को मानवीय गरिमा से अलग कर दिया, तो वही कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव सभ्यता की सबसे भयावह भूल भी सिद्ध हो सकती है। असल परीक्षा मशीन की बुद्धिमत्ता की नहीं, मनुष्य के विवेक की है। मशीनें जितनी अधिक बुद्धिमान होती जाएँगी, मनुष्य को उतना ही अधिक मानवीय होना पड़ेगा। क्योंकि आने वाले समय में सभ्यता का निर्णायक प्रश्न यह नहीं होगा कि 'क्या मशीन मनुष्य की तरह सोच सकती है?' बल्कि यह होगा कि 'क्या मनुष्य मशीनों के युग में भी मनुष्य की तरह सोचता रहेगा?'

मानदेय बढ़ने से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं में खुशी

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में विधायक विश्वनाथगज जीतलाल पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना, विधायक सदर प्रतिनिधि अरूण कुमार मौर्य, जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्योति शाक्य, बाल विकास परियोजना अधिकारियो, मुख्य सेविकाओ व आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओ व लाभार्थियों की उपस्थिति में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मभूमि अयोध्या से मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी द्वारा बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं तथा महिला कल्याण विभाग के लाभार्थियों के सम्मान एवं नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा व सुना गया। अयोध्या के राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को संबोधित करते हुए एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय 8 हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये और सहायिकाओं का मानदेय 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 6 हजार रुपये करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्हें 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर और अतिरिक्त साड़ी के लिए भी वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं का तुलसीसदन सभागार में उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं ने स्वागत किया। मानदेय में बढ़ोत्तरी एवं अन्य सुविधाओं की घोषणा से उनके बीच खुशी की लहर दिखाई दी। उपस्थित कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं ने सरकार के इस निर्णय को अपने हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर विधायक विश्वनाथगंज जीतलाल पटेल ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोत्तरी पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश और प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां एवं सहायिकाएं महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मानदेय में बढ़ोत्तरी से उनके मनोबल में वृद्धि होगी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोत्तरी की घोषणा प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उनके हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को लाभान्वित करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा संचालित समस्त महत्वपूर्ण योजनाओं तथा अनुपूकर पुष्टाहार, शालापूर्व शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा, टीकाकारण, स्वास्थ्य जाँच, सन्दर्भन तथा प्रधान मंत्री मतृ वंदना योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। समारोह के दौरान विभागीय योजनाओं के तहत सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन करते हुये 05 गर्भवती लाभार्थियो सुमन, प्रियंका, नन्दनी, अंजली एवं निधी की गोदभराई की गई, 02 लाभार्थियों रेयांश एवं बेबी का अन्नप्राशन कराया गया 10 लाभार्थियों नैना, निहार, दृष्टि, अथर्व, रिंशू, वैदेही, अरविन्द, यशी, उमर व अनाया को पोषण पोटली का वितरण किया गया। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रो पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाडी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया। प्रतापगढ के समस्त ब्लॉकों में आयोजित इस कार्यक्रम में माननीय मुख्य मंत्री जी के इस कार्यक्रम को लाइव प्रसारण दिखाया गया।

गरीबो की समस्याओ का निवारण मेरी पहली प्राथमिकताः धीरज ओझा

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। रानीगंज के पुर्व विधायक भाजपा के सर्वमान्य नेता धीरज ओझा आज अपने विधानसभा क्षेत्र रानीगंज के नगर पंचायत रानीगंज अंतर्गत वार्ड नं० 10, पूरे गोलिया निवासी श्रीमती सोनी विपिन कुमार गुप्ता जी के आवास पर पूर्व में पहुँचकर उनका कुशलक्षेम जाना एवं उनकी समस्या से अवगत हुआ था। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास न मिलने की जानकारी प्राप्त होने पर उनके आवास हेतु आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया था। जिसके क्रम में आज दिनांक 07.09.2026 को नगर पंचायत रानीगंज के अधिशासी अधिकारी द्वारा परियोजना अधिकारी, नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), प्रतापगढ़ को पत्र प्रेषित कर श्रीमती सोनी विपिन कुमार गुप्ता जी को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान एवं उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना मेरी प्राथमिकता है।

गढ़मुक्तेश्वर में पुलिस और गौकश बदमाशों के बीच मुठभेड़, एक घायल समेत दो गिरफ्तार

अवैध असलहा, जिंदा-खोखा कारतूस और पशु कटान के उपकरण बरामद

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। बीती रात्रि थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस गश्त एवं चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस की गौकशी करने वाले बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश घायल हो गया, जबकि पुलिस ने उसके एक अन्य साथी को भी गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से अवैध असलहा, जिंदा एवं खोखा कारतूस तथा पशु कटान में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के जंगल ग्राम खिलवाई और जंगल ग्राम अल्लाबख्शपुर में पूर्व में गौकशी की दो घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। इन घटनाओं के संबंध में थाना गढ़मुक्तेश्वर पर मुकदमा अपराध संख्या 443/26 एवं 465/26, धारा 3/5/8 गौवध निवारण अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत हैं।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार एवं घायल बदमाश शातिर किस्म के अपराधी हैं। इनके विरुद्ध जनपद हापुड़ एवं अमरोहा में गौकशी, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट सहित करीब दो दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस द्वारा दोनों के आपराधिक इतिहास की जांच एवं अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नाबालिग पीड़िता की अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़ सिंभावली। थाना सिंभावली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग पीड़िता की अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने के मामले में वांछित/नामजद दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत था और दोनों की तलाश की जा रही थी। थाना प्रभारी अरविंद चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि महिलाओं एवं नाबालिगों से संबंधित अपराधों में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकता के आधार पर कठोर कार्रवाई की जा रही है।

सपा कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गुलशन यादव के भाई पर दर्ज हुई एफआईआर

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। मानिकपुर थाना क्षेत्र के मऊदारा निवासी उत्कर्ष मिश्रा ने थाने में तहरीर देकर सपा के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गुलशन यादव के भाई पर जान से मारने की धमकी और गाली-गलौज का आरोप लगाया है। पीड़ित उत्कर्ष मिश्रा के अनुसार, 7 सितंबर को रात लगभग 9:30 बजे वह करेंटी घाट से अपने घर लौट रहा था। रास्ते में दीपक यादव और उसके दो साथियों ने उसे रोक लिया और गंदी-गंदी गालियां देते हुए पुराने मुकदमे को वापस लेने का दबाव बनाने लगे। आरोप है कि उन्होंने कहा कि यदि मुकदमा वापस नहीं करोगे तो जान से मार देंगे। पीड़ित का कहना है कि शोर सुनकर उसकी मां और पत्नी मौके पर पहुंच गईं, जिससे उसकी जान बच सकी। पीड़ित की तहरीर पर थानाध्यक्ष मानिकपुर पंकज राय ने आरोपी दीपक यादव व अन्य के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच के बाद ही तहरीर की सत्यता स्पष्ट हो पाएगी।

12 सितंबर को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जिले में 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत का आयोजन हापुड़ स्थित कचहरी परिसर के साथ-साथ गढ़मुक्तेश्वर और धौलाना तहसील में भी किया जाएगा। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक लंबित एवं सुलह योग्य मामलों का आपसी सहमति के आधार पर शीघ्र निस्तारण कर लोगों को राहत प्रदान करना है। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के ऐसे मामलों का निस्तारण किया जाएगा, जिनमें पक्षकार आपसी सहमति और समझौते के आधार पर विवाद समाप्त करने के लिए तैयार हों। इससे लोगों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलने के साथ ही समय और धन की भी बचत होगी। लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित सिविल, फौजदारी, वैवाहिक, श्रम, विद्युत, बैंक, ऋण, बीमा और मोटर दुर्घटना प्रतिकर से संबंधित मामलों को निस्तारण के लिए शामिल किया जाएगा। संबंधित विभागों और पक्षकारों से अपील की गई है कि वे अपने सुलह योग्य मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रस्तुत करें। अधिकारियों ने बताया कि लोक अदालत में मामलों के निस्तारण के दौरान दोनों पक्षों की सहमति को प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे मामलों में पक्षकारों को अपने विवाद का आपसी समाधान निकालने का अवसर मिलता है। इससे न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ कम करने में भी मदद मिलती है। जिले में नागरिकों, अधिवक्ताओं, बैंक, बीमा कंपनियों तथा विद्युत विभाग सहित संबंधित विभागों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण के लिए प्रस्तुत करें। अधिकारियों का कहना है कि अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण होने से आम लोगों को त्वरित राहत मिल सकेगी।

स्पेशल ट्रेन आठ घंटे, नौचंदी एक्सप्रेस चार घंटे विलंब आई

हापुड़। ट्रेनों का संचालन फिर से बिगड़ने लगा है। मंगलवार को स्पेशल ट्रेन आठ घंटे, नौचंदी एक्सप्रेस चार घंटे विलंब से रेलवे स्टेशन आई। ट्रेनों की लेटलतीफी के कारण रेल यात्रियों को परेशान होना पड़ा और गंतव्य को पहुंचने में भी देरी हुई। आनंद विहार टर्मिनल से पूर्णिया कोर्ट जा रही स्पेशल ट्रेन आठ घंटे, प्रयागराज संगम से सहारनपुर जंक्शन जा रही नौचंदी एक्सप्रेस चार घंटे 30 मिनट, मुरादाबाद जंक्शन से गाजियाबाद जंक्शन जा रही मेमू ट्रेन दो घंटे 30 मिनट, प्रतापगढ़ जंक्शन से दिल्ली को जाने वाली पद्मावत एक्सप्रेस एक घंटा 30 मिनट, सहरसा जंक्शन से अमृतसर जंक्शन जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस एक घंटा 30 मिनट, बरेली से चलकर भुज को जा रही आला हजरत एक्सप्रेस एक घंटा देरी से आई। इनके अलावा लालगढ़ जंक्शन से डिब्रूगढ़ जाने वाली अवध असम एक्सप्रेस एक घंटा, भुज से बरेली जंक्शन जा रही आला हजरत एक्सप्रेस एक घंटा, जैसलमेर से काठगोदाम जा रही रानीखेत एक्सप्रेस आधा घंटा, कोटद्वार से दिल्ली जंक्शन जाने वाली सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस आधा घंटा देरी से आई। मुरादाबाद रेलवे मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव का कहना है कि विभिन्न स्थानों पर बारिश के कारण रेलवे लाइन पर पानी भर जाने के कारण ट्रेनों का संचालन धीमी गति से किया जा रहा है।

बदनौली जाने से पहले सपा नेताओं को हाउस अरेस्ट करने का लगाया आरोप, कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध

घटना की जानकारी लेने और राष्ट्रीय अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपने जाना था प्रतिनिधिमंडल

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। ग्राम बदनौली में हुई घटना की पूरी जानकारी लेने के लिए समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल आज गांव बदनौली जाने वाला था। प्रतिनिधिमंडल को घटना की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेकर इसकी रिपोर्ट समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को सौंपनी थी।समाजवादी पार्टी की ओर से आरोप लगाया गया है कि प्रतिनिधिमंडल के बदनौली जाने से पहले ही हापुड़ जनपद पुलिस ने पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं को उनके घरों पर नजरबंद कर दिया। पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष तेजपाल प्रमुख को ग्राम फगौता स्थित उनके फार्म हाउस पर रात से ही हाउस अरेस्ट किए जाने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा समाजवादी पार्टी के अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को भी उनके-अपने निवास स्थानों पर हाउस अरेस्ट किए जाने की बात कही गई है। पार्टी नेताओं का आरोप है कि पुलिस द्वारा उन्हें कहीं आने-जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सपा नेताओं ने पुलिस की इस कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन और लोकतंत्र की हत्या बताया है। उनका कहना है कि पार्टी का प्रतिनिधिमंडल केवल बदनौली पहुंचकर घटना की जानकारी लेना चाहता था, ताकि वास्तविक तथ्यों से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराया जा सके। समाजवादी पार्टी ने प्रशासन से मांग की है कि नेताओं एवं कार्यकताओं को हाउस अरेस्ट से मुक्त किया जाए तथा उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से घटनास्थल पर जाकर पीड़ित परिवारों से मिलने की अनुमति दी जाए।

पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ अमर्यादित भाषा का वीडियो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में अपराध की रोकथाम एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी/पोस्ट करने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों को लेकर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हुए वीडियो बनाकर वायरल किया गया था। मामले की जानकारी मिलने पर थाना हापुड़ नगर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान पंकज शर्मा पुत्र रविंद्र शर्मा, निवासी ग्राम सरावा, थाना हापुड़ नगर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि वायरल वीडियो में प्रदर्शित मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए भी सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं तथा शीघ्र ही उसकी गिरफ्तारी की जाएगी।

पिलखुवा के मोहम्मद सलमान का नेईग्रिहम्स में हुआ चयन, 50 सरकारी सीटों में बनाई जगह

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़/पिलखुवा। जनपद हापुड़ के पिलखुवा क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है। मुंशी नगर निवासी मोहम्मद अखलाक के सबसे छोटे पुत्र मोहम्मद सलमान का चयन शिलांग स्थित प्रतिष्ठित नॉर्थ ईस्टर्न इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (नेईग्रिहम्स) में बीएससी नर्सिंग के सरकारी कोटे में हुआ है। देशभर की सीमित 50 सरकारी सीटों में स्थान हासिल कर सलमान ने अपने परिवार के साथ-साथ पिलखुवा और जनपद हापुड़ का नाम रोशन किया है। सलमान के चयन की खबर मिलते ही परिवार में खुशी का माहौल हो गया। रिश्तेदारों, परिचितों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की। लोगों ने कहा कि सीमित सीटों के बीच स्थान बनाना उनकी प्रतिभा, मेहनत और लगन को दशार्ता है। परिजनों के अनुसार, मोहम्मद सलमान शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और मेहनती रहे हैं। उन्होंने अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार मेहनत की और किसी भी चुनौती के सामने हार नहीं मानी। उनकी मेहनत का परिणाम अब प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान में चयन के रूप में सामने आया है। बताया गया कि नेईग्रिहम्स भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त चिकित्सा संस्थान है, जो शिलांग में स्थित है। इस प्रतिष्ठित संस्थान में बीएससी नर्सिंग के सरकारी कोटे में चयन होना सलमान के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अपनी सफलता पर मोहम्मद सलमान ने इसका श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार के सहयोग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्वयं की मेहनत ने उन्हें लक्ष्य तक पहुंचने में मदद की। सलमान ने कहा कि निरंतर मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से भी अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदारी से मेहनत करने और असफलताओं से निराश न होने की अपील की। मोहम्मद सलमान की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जताई। लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी।

दर्दनाक सड़क हादसा: तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार तीन युवकों को रौंदा, दो की मौत

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। थाना देहात क्षेत्र में एनएच-09 पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवाओं की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गौरी रिसॉर्ट के सामने तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पीछे से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया है और फरार वाहन चालक की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार गांव बड़ौदा सिहानी निवासी यासीन (22), खुशी (23) और जीशान मंगलवार दोपहर बाद एक ही बाइक पर सवार होकर गढ़मुक्तेश्वर की ओर से अपने घर लौट रहे थे। तीनों जैसे ही एनएच-09 स्थित गौरी रिसॉर्ट के सामने पहुंचे, इसी दौरान हाईवे किनारे खड़े एक ट्रक को बचाने के प्रयास में उनकी बाइक असंतुलित हो गई। इसी बीच पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में यासीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि खुशी और जीशान को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उपचार के दौरान खुशी को भी मृत घोषित कर दिया। वहीं जीशान का अस्पताल में उपचार चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर लोगों की भीड़ जमा होने से हाईवे के एक तरफ यातायात भी प्रभावित हुआ। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही दोनों मृतकों के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण भी दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए।

कंडेरा के प्रो. केपी सिंह बने गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति

नियुक्ति से बागपत में खुशी की लहर, ग्रामीण परिवेश से निकलकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बनाई पहचान

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

बागपत। जनपद बागपत के ग्राम कंडेरा निवासी प्रो. केपी सिंह को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के आदेश के बाद उनकी नियुक्ति की गई। कुलपति के रूप में उनका कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष का होगा।शिक्षा और विश्वविद्यालय प्रशासन का लंबा अनुभवप्रो. केपी सिंह ने ग्रामीण परिवेश से निकलकर उच्च शिक्षा, शोध और विश्वविद्यालय प्रशासन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्हें उच्च शिक्षा, शोध, कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी तथा विश्वविद्यालय प्रशासन का व्यापक अनुभव है। इससे पूर्व प्रो. सिंह महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार तथा महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय, करनाल में कुलपति के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने उत्तराखंड काउंसिल फॉर बायोटेक्नोलॉजी, देहरादून में निदेशक के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है।प्रो. सिंह ने गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में बायोफिजिक्स के प्रोफेसर के रूप में शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कंडेरा से लेकर पूरे बागपत में खुशी का माहौल प्रो. केपी सिंह की नियुक्ति की खबर मिलते ही उनके पैतृक गांव कंडेरा सहित पूरे बागपत क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने उनकी नियुक्ति को जिले के लिए गौरव का विषय बताते हुए बधाई दी।क्षेत्रवासियों का कहना है कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के कुलपति पद तक पहुंचना बागपत के लिए गौरव की बात है। उनकी उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है। प्रो. केपी सिंह की नियुक्ति पर शिक्षा जगत, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। उनकी नियुक्ति को बागपत जनपद और ग्राम कंडेरा के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया गया है।

ज्ञान गंगा सम्मान समारोह ने प्रतिभाओं को दी नई उड़ान: पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री ने कहा–बच्चों के सपनों को पूरा करने में सहभागी बनना समाज की जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कुसुम कांता फाउंडेशन एवं मंथन वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में 'ज्ञान गंगा सम्मान समारोह एवं छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिक्षकों को सम्मानित करने के साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने सम्मानित शिक्षकों और छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान गंगा सम्मान समारोह केवल सम्मान और छात्रवृत्ति वितरण तक सीमित कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह प्रतिभाओं को पहचान देने, शिक्षा को प्रोत्साहित करने और बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करना केवल आर्थिक मदद करना नहीं, बल्कि उसके सपनों को साकार करने की यात्रा में सहभागी बनना है।

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय कुसुम कांता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संगीत, साहित्य और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायी रहा। उनके जीवन मूल्यों और सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए कुसुम कांता फाउंडेशन पिछले छह वर्षों से शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, डिजिटल साक्षरता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने मंथन वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में समाज और संस्थाओं की भागीदारी से उन विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, जो प्रतिभावान होने के बावजूद आर्थिक कारणों से अपनी पढ़ाई जारी रखने में कठिनाई महसूस करते हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। शिक्षक का दायित्व केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उनमें दृष्टि, आत्मविश्वास, संस्कार और जीवन के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना भी है।

उन्होंने कहा कि एक शिक्षक कक्षा में केवल एक विद्यार्थी का निर्माण नहीं करता, बल्कि वह आने वाले समय के राष्ट्र का निर्माण करता है। शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही दिशा देने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें अपना समय, अच्छे संस्कार और अनुशासन भी दें। उन्होंने कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यालय और परिवार दोनों का साथ चलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि माता-पिता और शिक्षक आने वाली पीढ़ी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों को हर परिस्थिति में सकारात्मक मार्गदर्शन मिलने से उनमें आत्मविश्वास पैदा होता है और वे चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार होते हैं। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं से बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत, अनुशासन तथा दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के साथ असफलताएं भी आती हैं, लेकिन असफलताओं से निराश होने के बजाय उनसे सीख लेकर अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को भरोसा दिलाया कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए आवश्यक अवसर और सहयोग उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान युवाओं को सही अवसर मिलने पर वे न केवल अपने परिवार और समाज का नाम रोशन कर सकते हैं, बल्कि प्रदेश और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

हरिश्चंद्र हत्याकांड का पदार्फाश, पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर कराई पति की हत्या, चार गिरफ्तार

एसओजी/सर्विलांस व ढेबरूआ पुलिस को हत्या का खुलासा करने में मिली सफलता, प्रेम प्रसंग, अवैध संबंध व घरेलु विवाद में हुई हरिश्चंद्र की हत्या

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। जिले के ढेबरुआ थाना क्षेत्र में राप्ती नदी के मुंहचोरवा घाट के पास हुए हरिश्चंद्र हत्याकांड का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। ढेबरुआ थाना पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने हत्याकांड में शामिल चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मृतक की पत्नी माया देवी भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक, माया देवी ने अपने प्रेमी नियाज अहमद के साथ मिलकर पति हरिश्चंद्र की हत्या की साजिश रची थी। हत्या को अंजाम देने के लिए नियाज ने अपने दो साथियों इरशाद और अब्दुल्ला को शामिल किया था। आपको बता दें कि सिद्धार्थनगर जिले के इटवा थाना क्षेत्र के कपिवा गांव निवासी हरिश्चंद्र का शव 30 अगस्त को ढेबरुआ थाना क्षेत्र में राप्ती नदी पर स्थित मुंहचोरवा घाट के पास बरामद हुआ था। मौके से मृतक का ई-रिक्शा भी सड़क किनारे मिला था। शुरूआती तौर पर मामला दुर्घटना जैसा नजर आ रहा था, लेकिन पुलिस की जांच आगे बढ़ी तो हत्या की पूरी साजिश का खुलासा होता चला गया।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में सामने आया कि हरिश्चंद्र की पत्नी माया देवी का नियाज अहमद से प्रेम संबंध था। माया देवी ने पुलिस को बताया कि उसका पति शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता था। इसी से परेशान होकर उसने अपने प्रेमी नियाज अहमद पर पति की हत्या का दबाव बनाया। इसके बाद नियाज अहमद ने हरिश्चंद्र की हत्या की योजना बनाई और अपने साथी इरशाद तथा अब्दुल्ला को इसमें शामिल किया। पुलिस के अनुसार, नियाज ने दोनों को हत्या के लिए एक लाख रुपये देने की बात कही थी, जिसमें से 60 हजार रुपये उन्हें दिए भी जा चुके थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के मुताबिक, 8 सितंबर को ढेबरुआ पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम बढ़नी के पचपेड़वा तिराहे के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हरिश्चंद्र हत्याकांड में शामिल अभियुक्त इरशाद अपने दो साथियों के साथ दूधवनिया बुजुर्ग नहर के रास्ते धनोरा की ओर जाने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दूधवनिया बुजुर्ग पुल से नहर की तरफ जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी की और इरशाद, अब्दुल्ला तथा नियाज अहमद को गिरफ्तार कर लिया। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू और छह मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस के अनुसार, 30 अगस्त को अब्दुल्ला और इरशाद सवारी बनकर हरिश्चंद्र के ई-रिक्शे में बैठे थे। मुंहचोरवा घाट के पास सुनसान स्थान देखकर दोनों ने चाकू से हरिश्चंद्र पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को नदी में फेंक दिया गया और ई-रिक्शे को सड़क किनारे इस तरह पलट दिया गया, जिससे घटना सड़क हादसे जैसी लगे। पुलिस ने इस हत्याकांड में मृतक की पत्नी माया देवी समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया है। वहीं, हत्याकांड का सफल अनावरण करने वाली पुलिस टीम का उत्साहवर्धन करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन ने टीम को 20 हजार रुपये के पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है।

सर्पदंश से मौतों पर रोक की मांग, कांग्रेसियों ने डीएम कार्यालय पर किया धरना-प्रदर्शन

सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। जनपद में सर्पदंश से हो रही मौतों पर रोक लगाने और ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी अस्पतालों में एंटी-स्नेक वेनम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर सभी CHC, PHC एवं ग्रामीण अस्पतालों में पर्याप्त एंटी-स्नेक वेनम, 24 घंटे उपचार, ऑक्सीजन, जीवनरक्षक दवाओं और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वांचल प्रभारी अभिषेक दत्त ने कहा कि सर्पदंश से होने वाली मौतें केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के जीवन से जुड़ा गंभीर जनहित का विषय है। समय पर एंटी-स्नेक वेनम और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होने पर बड़ी संख्या में लोगों की जान बचाई जा सकती है। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विशाल सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश की घटनाओं के बाद समय पर इलाज नहीं मिलना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने सरकार से ग्रामीण इलाकों में विशेष जागरूकता अभियान चलाने तथा एंबुलेंस और स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने की मांग की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कहा कि सिद्धार्थनगर का बड़ा हिस्सा ग्रामीण एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है, जहां सर्पदंश की घटनाएं लगातार सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि किसी गरीब परिवार के सदस्य की मौत सिर्फ इसलिए नहीं होनी चाहिए कि नजदीकी सरकारी अस्पताल में एंटी-स्नेक वेनम उपलब्ध नहीं था। उन्होंने सभी CHC, PHC एवं ग्रामीण अस्पतालों में पर्याप्त स्टॉक, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को सर्पदंश के मानक उपचार का प्रशिक्षण देने की मांग की। धरना-प्रदर्शन में पूर्व विधायक चौधरी रविन्द्र प्रताप, बख्तियार उस्मानी, अभिनय राय, जावेद मोकीम, बस्ती कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, पंकज चतुर्वेदी, डॉ. नादिर सलाम, कृष्ण बहादुर सिंह, अनिल सिंह अन्नू, सादिक अहमद, असलम खुर्शीद, सतीश चन्द्र त्रिपाठी, बदरे आलम, शाहिद प्रधान, रितेश त्रिपाठी, जिल्ले गालिब, डॉ. प्रमोद कुमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धुसुरा में लगभग आधा दर्जन घरों में बांस के सहारे बिजली आपूर्ति, आये दिन फाल्ट बन रही समस्या

सरकार का बेहतर बिजली आपूर्ति की मंशा पर जिम्मेदार फेर रहे पानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावां के गांव धुसुरा में लगभग आधा दर्जन लोगों के घरों पर विद्युत पोल के अभाव में बांस के सहारे बिजली आपूर्ति किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के बाद भी सम्बंधित जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं। सेमरियावा ब्लाक के गांव धुसुरा में विद्युत उपकेन्द्र कुसहरा से बिजली की आपूर्ति की जाती है। महीनों बीत जाने के बाद भी ग्रामीण एजाज अहमद, अब्दुल मोइज, सिराजुद्दीन आदि लगभग आधा दर्जन घरों में विद्युत पोल के अभाव में बांस बल्ली के सहारे बिजली आपूर्ति की जा रही है जिससे उपभोक्ताओ को आये दिन विद्युत फाल्ट की समस्या से जूझना पड़ रहा है। जो कि बिजली उपभोक्ताओ की परेशानी का कारण बना हुआ है। सरकार की बिजली उपभोक्ताओ को बेहतर विद्युत आपूर्ति की मंशा पर विभागीय जिम्मेदारों की उदासीनता और लापरवाही के कारण ग्रहण लगता दिख रहा है। ग्रामीण एजाज अहमद, अब्दुल मोइज, रेहाना खातून आदि ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार विभागीय जिम्मेदारों को लिखित व मौखिक शिकायत की गई लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिकाएं समाज के स्वास्थ्य और संस्कारों की मजबूत नींव: बलराम यादव

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष बलराम यादव ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया और उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष बलराम यादव ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं समाज के सबसे महत्वपूर्ण वर्ग–बच्चों और माताओं–के स्वास्थ्य एवं पोषण की पहली और सबसे मजबूत कड़ी हैं। गांव-गांव तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने और बच्चों के स्वर्णिम भविष्य की नींव मजबूत करने में उनकी भूमिका अतुलनीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों की देखभाल का स्थान नहीं, बल्कि पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और संस्कारों का केंद्र हैं। कार्यकत्रियां और सहायिकाएं जिस निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं, उसके लिए उनका अभिनंदन करना पूरे समाज का सम्मान है। उन्होंने सभी सम्मानित कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर बेहतर कार्य करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, सहायिकाएं और लाभार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को भी सम्मानित किया गया और समारोह का समापन अत्यंत उत्साहजनक माहौल में हुआ।

खेल शिक्षा का अभिन्न अंग है: प्रधानाचार्य मुजीबुल्लाह

एनआईसी में आयोजित हुई जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय वालीबाल प्रतियोगिता

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मंगलवार को नेशनल इंटर कॉलेज मूड़ाडिहा बेग में जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने शिरकत की। सेमरियावॉ ब्लाक के नेशनल इंटर कॉलेज मूड़ाडिहा बेग में मंगलवार को जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन नेशनल इंटर कॉलेज मूड़ाडिहा बेग के प्रबंधक रईस अहमद ने किया। प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग अंडर 19 में नेशनल इंटर कॉलेज मूड़ाडिहा बेग, वेणी माधव गोपीनाथ इंटर कॉलेज बखिरा, लाल बहादुर शास्त्री स्मारक इंटर कॉलेज टुम्पार, जूनियर वर्ग अंडर 17 में नागेश्वर सिंह इंटर कालेज कैथवलिया, आदर्श कृषक इंटर कालेज सिहटीकर, नेशनल इंटर कालेज मूड़ाडिहा बेग, जगत गुरु शकराचार्य वि. इंटर कॉलेज मेहदावल, लाल बहादुर शास्त्री स्मारक इंटर कॉलेज टुम्पार, सब जूनियर अंडर 14 में उच्च प्राथमिक विद्यालय करमा खान टीमों ने प्रतिभाग किये। पहला मैच में वेणी माधव गोपीनाथ इंटर कालेज बखिरा और नेशनल इंटर कालेज मूड़ाडिहा बेग के बीच खेला गया जिसमें बखिरा ने मूड़ाडिहा बेग को 15-7,15-8 से हराया। फाइनल सीनियर वर्ग में टुम्पार और बखिरा के बीच खेला गया जिसमें टुम्पार ने बखिरा को 15-5, 15-7 से हराया। फाइनल मुकाबला जूनियर सिहटीकर और टुम्पार के बीच टुम्पार ने सिहटीकर को 15-4, 15-13 से हराया। मैच के रेफरी अब्दुल नाफे रहे। प्रतियोगिता का समापन नेशनल इंटर कॉलेज मूड़ाडिहा बेग के प्रधानाचार्य मुजीबुल्लाह ने किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग है। शिक्षा से जहाँ मानसिक, चारित्रिक, सामाजिक विकास होता है वहीं खेल से शारीरिक विकास के साथ मिलजुलकर काम करने की सीख मिलती है। इस दौरान व्यायाम शिक्षक मोलेंदु पाण्डेय, सत्यपाल मौर्या, विजय कुमार, राम केवल, रमेश प्रसाद, सेराज अहमद, बदरे आलम, अरशद जलाल, मंशाउल हक, फैयाज अहमद, निसार अहमद, सेराज अहमद, राम दयाल, मुहम्मद अब्बास, एजाज अहमद, वसीउद्दीन, फैजान अहमद, मु. जुनेद अख्तर, शमसुद्दीन, ओबैदुल्लाह, जुबेर बशीर, मु. नईम आदि मौजूद रहे।

सड़क किनारे मिला नवजात शिशु, मचा हड़कंप

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। डुमरियागंज थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां सड़क किनारे नवजात शिशु मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मामला शाहपुर-सिंगारजोत मार्ग पर धनोहरी गांव के पास का बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे नवजात शिशु को देखा, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही डुमरियागंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात शिशु को अपने कब्जे में लिया। पुलिस मामले की जांच और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। फिलहाल नवजात को सड़क किनारे छोड़ने की वजह और उसे यहां कौन छोड़कर गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

गणेश चतुर्थी पर दुधारा व मेहदावल पुलिस ने की पीस कमेटी की बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में आगामी 'गणेश चतुर्दशी त्योहार' के दृष्टिगत आस्था के पर्व गणेश चतुर्थी को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थानाध्यक्ष दुधारा अमित कुशवाहा तथा प्रभारी निरीक्षक थाना मेहदावल राकेश कुमार सिंह ने थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत व्यक्तियों से संवाद स्थापित कर आगामी पर्व के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं सुझाव लिए गए। पुलिस द्वारा सभी से अपील की गई कि गणेश चतुर्थी का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे, शांति और सद्भाव के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद अथवा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली गतिविधि से दूर रहें। आस्था अलग हो सकती है, लेकिन इंसानियत और भाईचारा सबसे बड़ा है। बैठक में पुलिस द्वारा कहा गया कि त्योहार केवल धार्मिक आस्था का अवसर नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होने और आपसी विश्वास को मजबूत करने का अवसर भी है।

पुलिस ने आमजन से अपील की कि त्योहार के दौरान यदि कोई संदिग्ध गतिविधि, अफवाह, विवाद या कानून-व्यवस्था से संबंधित सूचना प्राप्त होती है तो उसे छिपाने के बजाय तत्काल पुलिस को अवगत कराएं। पुलिस ने क्षेत्रवासियों को विश्वास दिलाया कि त्योहार के दौरान सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद रहेगी। आप निश्चिंत होकर अपने पर्व की खुशियां मनाइए, आपकी सुरक्षा और शांति की जिम्मेदारी हमारी है। किसी भी आवश्यकता या आपात स्थिति में पुलिस को तत्काल सूचना दें। जनपद पुलिस हर कदम पर आपके साथ खड़ी है। गणेश चतुर्थी का पर्व प्रेम, आस्था और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है। पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील की कि पर्व की पवित्रता को बनाए रखते हुए एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और मिल-जुलकर ऐसा वातावरण बनाएं, जिससे जनपद की पहचान शांति, सौहार्द और भाईचारे की मिसाल के रूप में बनी रहे।

मल्टीलेवल पार्किंग का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, संशोधित डीपीआर शासन को भेजने के दिए गये निर्देश

वेलकम इंडिया/गोविन्द मेहता

बागेश्वर। जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने मंगलवार को बागेश्वर-गरुड़ मोटरमार्ग पर बस स्टैंड के निकटबन रहे मल्टीलेवल पार्किंग का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका को पार्किंग की संशोधित डीपीआर एक सप्ताह के भीतर शासन को भेजने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर क्षेत्र में पर्याप्त पार्किंग सुविधा उपलब्ध न होने के कारण सड़क किनारे वाहनों के खड़े रहने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। मल्टीलेवल पार्किंग के पूर्ण होने से छोटे वाहनों एवं बसों के लिए व्यवस्थित एवं सुरक्षित पार्किंग सुविधा उपलब्ध होगी। इससे मुख्य मार्ग पर यातायात का दबाव कम होने के साथ ही जाम एवं अनधिकृत पार्किंग की समस्या से भी राहत मिलेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परियोजना से संबंधित आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ।वही डीएम अपूर्वा पांडे ने निर्माण के सम्बंध में अब तक शासन से मिले बजट और हुए खर्च की जानकारी ली ।जिस पर ईओ विनोद जीना ने आवश्यक जानकारी देते हुए निर्माण हेतु उचित बजट की कमी होने की बात कही ।जिस पर जिलाधिकारी ने जल्द निर्माण कार्य पूर्ण कराने हेतु दोबारा डीपीआर शासन को भेजने के निर्देश दिए। ईओ ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि बस स्टैंड के निकट मल्टीलेवल पार्किंग की क्षमता 60 छोटे वाहनों तथा 13 बसों की होगी। परियोजना के लिए 4 करोड़ 19 लाख 67 हजार रुपये की संशोधित डीपीआर तैयार की गई है ।उन्होंने बताया कि बजट के अभाव में वर्ष 2021 से निर्माण कार्य बाधित है। आवश्यक धनराशि उपलब्ध होने के बाद ही निर्माण कार्य को पूर्ण किया जा सकेगा। शासन से धनराशि प्राप्त होने के उपरांत लगभग डेढ़ वर्ष के भीतर पार्किंग का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा सकता है ।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित जनमानस और वाहन चालकों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव भी सुने। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त समस्याओं के संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ।इस दौरान उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी, तहसीलदार ऋतु गोस्वामी सहित यातायात उपनिरीक्षक चंदन सिंह भंडारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीलीभीत में नगर पालिका की दुकानों पर चला बुलडोजर

दुकानदार बोले– सामान निकालने का भी नहीं मिला मौका

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत के नकटादाना चौराहे पर मंगलवार सुबह नगर पालिका परिषद की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली। समाजवादी पार्टी कार्यालय के बराबर स्थित नगर पालिका की छह दुकानों पर बुलडोजर चला दिया गया। कार्रवाई के दौरान किसी भी विरोध या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। दुकानदारों का आरोप है कि उन्हें दुकानें खाली करने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया और सुबह अचानक बुलडोजर पहुंचाकर कार्रवाई शुरू कर दी गई। कार्रवाई से दुकानदारों में नाराजगी और आक्रोश देखने को मिला। बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर दुकानें बनी थीं, वहां नगर पालिका परिषद की ओर से नया कॉम्प्लेक्स बनाए जाने की योजना प्रस्तावित है। इसी योजना के तहत मंगलवार सुबह कई दुकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई। गौरतलब है कि इससे पहले इसी क्षेत्र में स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय को भी खाली कराया जा चुका है। अब उसके समीप स्थित नगर पालिका की दुकानों पर बुलडोजर चलने के बाद क्षेत्र में चचाओं का माहौल बना हुआ है। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि दुकानदारों को दुकानें हटाने के लिए पूर्व में नोटिस दिया गया था, लेकिन नोटिस के बावजूद दुकानों को खाली नहीं किया गया। इसके चलते नगर पालिका को कार्रवाई करनी पड़ी ।नगर पालिका की इस कार्रवाई के बाद सबसे बड़ा सवाल दुकानदारों के भविष्य और 99 वर्ष के पट्टे के आधार पर किए गए आवंटन को लेकर उठ रहा है। दुकानदार कार्रवाई को लेकर अपनी बात रखने और न्याय की मांग करने की तैयारी में हैं।

सीएचसी कांधला की कमान डॉ. रामवीर सिंह को, जसाला में डॉ. वीरेंद्र सिंह बने प्रभारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांधला की जिम्मेदारी डॉ. रामवीर सिंह को सौंपी है। वहीं, डॉ. वीरेंद्र सिंह को जसाला स्वास्थ्य केंद्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है ।मंगलवार को डॉ. रामवीर सिंह ने सीएचसी कांधला पहुंचकर चिकित्सा प्रभारी का पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने अस्पताल में आए मरीजों की जांच की और उन्हें आवश्यक दवाएं वितरित कीं। डॉ. रामवीर सिंह बाल रोग विशेषज्ञ हैं। वह पूर्व में भी कई वर्षों तक सीएचसी कांधला में सेवाएं दे चुके हैं और चिकित्सा प्रभारी के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उनके दोबारा सीएचसी की कमान संभालने से अस्पताल के कर्मचारियों और क्षेत्र के लोगों में भी उत्साह देखा गया। पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. रामवीर सिंह ने कहा कि मरीजों को बेहतर और समुचित उपचार उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

गांधी प्रेक्षागृह में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर मंगलवार को गांधी स्टेडियम स्थित प्रेक्षागृह में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने शिक्षकों, शिक्षिकाओं और साक्षरता से जुड़े स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए साक्षरता दर बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को शिक्षित करने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है, लेकिन इसके साथ ही ग्राम पंचायतों में यदि कोई महिला या पुरुष असाक्षर है तो उसे भी साक्षर बनाने के लिए शिक्षक पहल करें। उन्होंने कहा कि शिक्षक छात्र-छात्राओं को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करें और उनमें देशभक्ति एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करें। साथ ही शासन की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने में भी सहयोग करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय पिपरिया अगरु की प्रधानाध्यापक सैयदा को शासन की ओर से भेजा गया शुभकामना संदेश सौंपा। उन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान करने के साथ शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

सम्मान के दौरान विद्यालय का पूरा स्टाफ मौजूद रहा। जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय पिपरिया अगरु के लिए 25 हजार रुपये पुरस्कार के रूप में देने की घोषणा की। घोषणा होते ही प्रेक्षागृह में मौजूद शिक्षकों ने तालियां बजाकर जिलाधिकारी के निर्णय की सराहना की। डीआईओएस विजय सिंह यादव ने कहा कि शिक्षक को यूं ही राष्ट्र निमार्ता नहीं कहा जाता। शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ उनमें संस्कार और नैतिक मूल्यों का विकास भी करता है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने कहा कि इस बार विभाग का लक्ष्य प्रत्येक विद्यालय को निपुण बनाने का है। इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यालय से संबंधित किसी भी समस्या को उनके समक्ष रखा जा सकता है, जिसका पारदर्शिता के साथ समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

किवाना मार्ग के चौड़ीकरण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने की पंचायत

कांधला (वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव मखमूलपुर स्थित पंचायत भवन में मंगलवार को किवाना मार्ग के चौड़ीकरण की मांग को लेकर कई गांवों के ग्रामीणों की पंचायत हुई। पंचायत में मार्ग के चौड़ीकरण के लिए कमेटी गठित की गई। ग्रामीणों ने जल्द ही शासन स्तर पर अपनी मांग रखने का निर्णय लिया। इस दौरान सैकड़ो लोग मौजूद रहे ।मंगलवार को थाना क्षेत्र के गांव मखमूलपूर मे पंचायत आयोजित हुई पंचायत में गाव किवाना, लिसाढ़, गढ़, सुन्ना, रामपुर खेड़ी और मखमूलपुर गांव के ग्रामीण शामिल हुए। मुख्य अतिथि के रूप में बाबा राजेंद्र सिंह लिसाढ़ मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता सुधीर ठेकेदार ने की। किवाना प्रधान पंकज मलिक ने बताया कि ग्रामीण पूर्व में भी कई बार जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मार्ग के चौड़ीकरण की मांग कर चुके हैं। मार्ग संकरा होने के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। यह मार्ग करीब आधा दर्जन गांवों को आपस में जोड़ने के साथ ही मेरठ-करनाल हाईवे से भी सीधा संपर्क स्थापित करता है ।मुख्य अतिथि बाबा राजेंद्र सिंह ने कहा कि सड़क के चौड़ीकरण की मांग को लेकर कमेटी गठित की गई है। जल्द ही कमेटी के सदस्य प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मार्ग के चौड़ीकरण की मांग रखेंगे ।पंचायत में पंकज मलिक, गौरव, रामपाल सिंह, आशीष कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हादसे के बाद बस चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर गांव नानूपुरी के समीप मंगलवार को रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बस चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से घायल को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। जिला अस्पताल ले जाते समय घायल ने दम तोड़ दिया ।मंगलवार को जनपद बागपत के कस्बा बड़ौत निवासी 25 वर्षीय अंकित पुत्र गंगाराम बाइक से किसी काम के सिलसिले में शामली की ओर जा रहा था। गांव नानूपुरी के समीप विपरीत दिशा से आ रही रोडवेज बस ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक बस के नीचे जा घुसी और बाइक सवार अंकित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान बस चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने घायल अवस्था में जिला अस्पताल रेफर कर दिया जिला अस्पताल ले जाते समय घायल ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है और बस एंव क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह का कहना है की तहरीर आने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

ई-रिक्शा चालक को बातों में उलझाकर मोबाइल चोरी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव भारसी निवासी ई-रिक्शा चालक का अज्ञात व्यक्ति बातों में उलझाकर हजारों रुपये कीमत का मोबाइल चोरी कर ले गया। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है ।मंगलवार को गांव भारसी निवासी राजकुमार ने बताया कि वह ई-रिक्शा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता है। वह गांव के समीप अड्डे पर खड़ा था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उससे पता पूछा और बातचीत में उलझा लिया। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी उसका मोबाइल चोरी कर फरार हो गया। मोबाइल नहीं मिलने पर पीड़ित ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया तहरीर प्राप्त हुई है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़कर हुआ 12 हजार रूपये , सहायिकाओं को मिलेंगे छह हजार रुपये

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका सम्मान समारोह में प्रदेश की लाखों आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा की। कार्यक्रम का जनपद स्तर पर गांधी प्रेक्षागृह में लाइव प्रसारण किया गया। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद कार्यक्रम में मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं में खुशी की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय 8 हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये तथा सहायिकाओं का मानदेय 4 हजार रुपये से बढ़ाकर 6 हजार रुपये करने की घोषणा की। इसके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के खातों में दो साड़ियों की धनराशि भी भेजी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं में व्यापक सुधार हुआ है। आज आंगनबाड़ी केंद्र स्मार्ट हो चुके हैं और विभाग के पास रियल टाइम डाटा उपलब्ध है।

उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को 'कलयुग की यशोदा' बताते हुए कहा कि बच्चे का पहला संवाद आंगनबाड़ी कार्यकत्री से होता है। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकत्रियों को सम्मानित किया जाना आवश्यक है। लाइव प्रसारण के बाद जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में बरखेड़ा, ललौरीखेड़ा, मरौरी और शहर परियोजना के अंतर्गत मातृ वंदना योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 10 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। वहीं कुपोषण की श्रेणी से बाहर आए बच्चों के परिजनों को पोषण किट तथा महिला कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों को भी सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानंद, जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह सहित नगर मजिस्ट्रेट, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त आजीविका मिशन, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी मौजूद रहे।

बरखेड़ा के गांवों में पहुंचे धनपति वर्मा, ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

भाजपा सरकार से जनता परेशान, अब बदलाव की तैयारी: धनपति वर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरखेड़ा/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने मंगलवार को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याओं और स्थानीय मुद्दों को सुना तथा उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास का भरोसा दिलाया ।धनपति वर्मा ने बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नरायनपुर, इंटरोड़ा, डंडिया भगत, मुसेपुर जयसिंह, मुसरहा, लदपुरा गौटिया, नवादा महेश, पतरसिया, डंडिया लच्छी, पतरासा कुंवरपुर, शेखापुर, भैसाई पर्वतपुर, भैसहा ग्वालपुर, गाजीपुर कुंडा, बहादुरपुर हुक्मी, नक्टा उर्फ मुरादाबाद, मचवाखेड़ा और अमखिड़िया में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने गांवों की समस्याओं के बारे में जानकारी ली और लोगों से क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा की। इस दौरान सपा नेता ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की नीतियों से परेशान है और अब बदलाव चाहती है। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और ग्रामीण क्षेत्रों की विभिन्न दिक्कतों को लेकर लोगों में असंतोष है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने का काम कर रही है। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा और कार्यकताओं को गांव-गांव जाकर जनता से सीधे संवाद करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि मिशन 2027 को लेकर पार्टी कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ तैयारियों में जुटे हैं। धनपति वर्मा ने कार्यकताओं और समर्थकों का आह्वान किया कि वे प्रत्येक गांव और बूथ तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं को समझें तथा उन्हें पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा से जोड़ने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जनता के बीच निरंतर संवाद और संगठन की मजबूती से ही आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को मजबूत आधार मिलेगा ।जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों और पार्टी कार्यकताओं ने धनपति वर्मा का स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्रीय कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

ससुराल में प्रवेश न मिलने पर विवाहिता ने घर के बाहर दिया धरना

कांधला। कस्बे के गंगेरू मार्ग पर मंगलवार को ससुराल में प्रवेश नहीं मिलने से नाराज विवाहिता ने घर के बाहर हंगामा करते हुए धरना दे दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विवाहिता को घर में प्रवेश दिलाने का प्रयास किया, लेकिन ससुराल पक्ष के लोगों ने दरवाजा नहीं खोला। देर शाम तक पुलिस दरवाजा खुलवाने का प्रयास करती रही ।शामली निवासी जीनत ने बताया कि उसकी शादी करीब नौ वर्ष पूर्व गंगेरू मार्ग निवासी साजिद के साथ हुई थी। महिला के अनुसार, मंगलवार को वह अपने बच्चे को दवाई दिलाने डॉक्टर के पास गई थी। वापस लौटने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने घर का दरवाजा बंद कर दिया और उसे अंदर नहीं जाने दिया ।इसके बाद विवाहिता ने घर के बाहर हंगामा शुरू कर दिया और वहीं धरने पर बैठ गई। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ससुराल पक्ष के लोगों से दरवाजा खोलकर महिला को अंदर लेने का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक दरवाजा नहीं खोला गया।

शारदा नदी के तेज कटान से राणा प्रताप नगर में बढ़ी चिंता, ग्रामीणों ने प्रशासन से बचाव कार्य की मांग की

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। शारदा नदी में लगातार हो रहे तेज कटान से ग्राम राणा प्रताप नगर के ग्रामीणों और किसानों की चिंता बढ़ गई है। मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण नदी के किनारे पहुंचे और मौके पर कटान की स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों का कहना है कि नदी तेजी से गांव की ओर बढ़ रही है, जिससे आने वाले दिनों में आबादी और कृषि भूमि को नुकसान होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक शारदा नदी के जलस्तर में उतार- चढ़ाव के बीच नदी का कटान लगातार जारी है। कई स्थानों पर नदी का किनारा तेजी से कट रहा है। यदि समय रहते कटान को रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो किसानों की उपजाऊ जमीन नदी की धारा में समा सकती है। इसके साथ ही गांव की आबादी पर भी खतरा बढ़ सकता है ।मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल बचाव कार्य शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि कटान प्रभावित क्षेत्र में बाढ़ एवं सिंचाई विभाग की टीमों को भेजकर स्थिति का स्थलीय निरीक्षण कराया जाए। इसके बाद कटान रोकने के लिए आवश्यकतानुसार बचाव सामग्री और अन्य संसाधनों की व्यवस्था की जाए, ताकि नदी की धारा को गांव की ओर बढ़ने से रोका जा सके। किसानों का कहना है कि पहले से ही बाढ़ और अतिवृष्टि के कारण क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में यदि कटान के कारण खेतों की जमीन भी नदी में समा गई तो ग्रामीणों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। उन्होंने प्रशासन से संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर प्राथमिकता के आधार पर बचाव कार्य कराने की मांग की है ।ग्रामीणों ने आसपास के लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की है। उनका कहना है कि कटान वाले स्थानों पर बच्चे और अन्य लोग अनावश्यक रूप से न जाएं। नदी के किनारे की जमीन कमजोर होने के कारण हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि प्रशासन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जल्द मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करेगा।

वाराणसी में आज शुरू होगा राष्ट्रीय पोषण माह, अन्नपूर्णा देवी करेंगी शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में अभियान की शुरूआत, 'हमारी आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी' थीम पर पोषण, स्वास्थ्य और बाल विकास पर रहेगा जोर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से 9 सितंबर 2026 को वाराणसी स्थित रुद्राक्ष अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र में नौवें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का शुभारंभ किया जाएगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर तथा उत्तर प्रदेश की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पोषण मंत्री बेबी रानी मौर्य की मौजूदगी में महीने भर चलने वाले इस अभियान की शुरूआत करेंगी। शुभारंभ कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, विकास क्षेत्र में काम करने वाले सहयोगी संगठन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, लाभार्थी और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे। राष्ट्रीय पोषण माह का उद्देश्य महिलाओं, बच्चों और किशोरों में पोषण, स्वास्थ्य तथा देखभाल से जुड़े व्यवहारों को मजबूत करना और पोषण को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना है।

वर्ष 2047 तक सुपोषित भारत को विकसित भारत की मजबूत नींव बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर वर्ष 2018 में पोषण अभियान शुरू किया गया था। हर वर्ष सितंबर में मनाया जाने वाला राष्ट्रीय पोषण माह अब देशव्यापी जनभागीदारी का अभियान बन चुका है। राष्ट्रीय पोषण माह 2026 की थीम 'हमारी आंगनवाड़ी हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है। इसके माध्यम से प्रत्येक नागरिक को आंगनवाड़ी केंद्रों की गतिविधियों और बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल तथा प्रारंभिक शिक्षा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इस वर्ष का अभियान मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत संशोधित पूरक पोषण कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर केंद्रित रहेगा। अभियान के दौरान पांच प्रमुख विषयों पर विशेष जोर दिया जाएगा। पहले विषय के तहत आहार विविधता और पर्याप्त प्रोटीन पर जोर दिया जाएगा। आंगनवाड़ी केंद्रों पर स्थानीय और कम लागत वाली पौष्टिक सामग्री से व्यंजन तैयार करने का प्रदर्शन किया जाएगा। पोषण मेलों और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से संतुलित आहार के महत्व की जानकारी दी जाएगी। दूसरे विषय के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों पर ताजा और गर्म

पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान रहेगा। मोटे अनाज, दालों और मौसमी सब्जियों को भोजन में शामिल करने के लिए साप्ताहिक मेनू तैयार किए जाएंगे। अभिभावकों, पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों और आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों की भागीदारी से भोजन की गुणवत्ता और पोषण संबंधी जागरूकता को बढ़ाया जाएगा। तीसरे विषय के रूप में सामुदायिक स्वामित्व और जवाबदेही को शामिल किया गया है। इसके तहत सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों का गठन और संचालन तेज किया जाएगा। पोषण माह के दौरान प्रत्येक केंद्र पर कम से कम एक समिति बैठक आयोजित की जाएगी। आंगनवाड़ी केंद्रों पर पूरक पोषण कार्यक्रम का मेनू बोर्ड भी प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि लाभार्थियों को उपलब्ध भोजन और पात्रता की स्पष्ट जानकारी मिल सके। आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियां और माता समितियां भोजन की गुणवत्ता तथा निर्धारित मेनू के अनुपालन की निगरानी करेंगी। चौथे विषय के तहत पोषण, प्रारंभिक प्रोत्साहन और बाल विकास के लिए शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जन्म से तीन वर्ष तक के बच्चों के परिवारों से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर संवेदनशील देखभाल और उम्र के अनुसार गतिविधियों के संबंध में जानकारी देंगी। राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान 0 से 3 वर्ष की आयु के सभी नामांकित बच्चों के विकास से जुड़े संकेतकों को दर्ज करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के समन्वय से आवश्यकता वाले बच्चों को समय पर उपचार एवं आवश्यक सेवाओं के लिए भेजने की व्यवस्था भी मजबूत की जाएगी।

तीन से छह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में खेल आधारित गतिविधियों और आधारशिला कार्यक्रम के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए अभिभावक-बाल गतिविधियों के साथ प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा दिवस मनाया जाएगा। पांच से छह वर्ष के बच्चों को आसपास के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों का भ्रमण भी कराया जाएगा। राष्ट्रीय पोषण माह का पांचवां प्रमुख विषय प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के दस वर्ष पूरे होने से जुड़ा होगा। योजना के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। अभियान के दौरान पात्र गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को योजना से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण को गति देने के साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में योजना के स्थानीय स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन के लिए टूलकिट का उपयोग किया जाएगा। शुभारंभ समारोह की शुरूआत गणमान्य लोगों द्वारा पोषण मेले के भ्रमण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ होगी। इस दौरान गर्म पका भोजन, घर ले जाने वाला राशन, गृह भ्रमण के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं तथा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा से जुड़े लाभार्थियों के अनुभवों पर आधारित वीडियो प्रदर्शित किए जाएंगे।

दिशा समिति की बैठक में सांसद भोला सिंह ने कसे अफसरों के पेंच, बोले- पात्रों को हर हाल में मिले योजनाओं का लाभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जिला पंचायत सभागार में मंगलवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद डॉ. भोला सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों को विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी, मनरेगा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, शिक्षा, विद्युत, पेयजल, सिंचाई, कृषि, पशुपालन और समाज कल्याण समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों से योजनावार लक्ष्य और उसके सापेक्ष हुई प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं में प्रगति कम है, उनमें विशेष प्रयास कर निर्धारित लक्ष्य समय से पूरा किया जाए। किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित न रखा जाए और अपात्रों को लाभ न मिले। लाभार्थियों के चयन में पूरी पारदर्शिता बरतने के निर्देश भी दिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति, पाइपलाइन और ओवरहेड टैंक से संबंधित कार्यों की जानकारी ली गई। सांसद ने कहा कि जहां परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, वहां नियमित और सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। अधूरे कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे कराए जाएं। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा में उन्होंने जरूरतमंद और पात्र परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं मनरेगा में अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों को रोजगार देने और ऐसे कार्य कराने पर जोर दिया गया, जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण हो सके।

सड़क और संपर्क मार्गों की समीक्षा करते हुए सांसद ने निमार्णाधीन सड़कों की नियमित गुणवत्ता जांच कराने तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत प्राथमिकता से कराने को कहा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा में अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाओं, जांच सुविधाओं और मरीजों को मिल रही सेवाओं की जानकारी ली गई। शिक्षा विभाग की समीक्षा में विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं, शिक्षकों की उपलब्धता और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति पर चर्चा हुई। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मरों को समय से बदलने और शिकायतों का त्वरित निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए। सांसद डॉ. भोला सिंह ने कहा कि दिशा समिति का उद्देश्य विकास योजनाओं की निगरानी के साथ जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है।

यूजीसी की विवादित नीतियां वापस लेने की मांग, राष्ट्रीय सामान्य वर्ग आयोग के गठन की उठी आवाज

वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

जौनपुर। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की उन नीतियों को तत्काल वापस लेने की मांग की है, जिन्हें संगठन ने विवादित और भेदभाव की आशंका पैदा करने वाला बताया है। संगठन का कहना है कि देश में सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए समान, निष्पक्ष और न्यायपूर्ण शैक्षणिक व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस संबंध में राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा की ओर से राष्ट्रपति, जिलाधिकारी सहित संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश अध्यक्ष विश्वदीप अवस्थी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 की भावना के अनुरूप समानता और समान अवसर सुनिश्चित करने की मांग की गई। ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने राष्ट्रीय सामान्य वर्ग आयोग के गठन की मांग रखी। संगठन का कहना है कि आयोग को प्रभावी कानूनी अधिकार दिए जाने चाहिए, ताकि सामान्य वर्ग से जुड़े विद्यार्थियों और युवाओं के हितों से संबंधित विषयों पर प्रभावी ढंग से काम किया जा सके। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा ने शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सभी वर्गों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने तथा विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए भेदभावरहित और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की भी मांग की। संगठन ने आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, शुल्क सहायता, आवास और शिक्षा ऋण जैसी सुविधाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की मांग की। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि आर्थिक स्थिति किसी भी प्रतिभावान विद्यार्थी की शिक्षा में बाधा नहीं बननी चाहिए। ज्ञापन में शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण नीतियां तैयार करने से पहले विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षाविदों से व्यापक स्तर पर सुझाव लेने की व्यवस्था विकसित करने की मांग भी की गई।

मिशन शक्ति अभियान में छात्राओं को साइबर अपराध और महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। मिशन शक्ति अभियान के तहत एमबीएस कॉन्वेंट स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं और महिलाओं को साइबर अपराध तथा महिला संबंधी अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति प्रभारी महिला उपनिरीक्षक संजना सिंह के नेतृत्व में महिला कांस्टेबल स्नेहा पांडेय और अंजली सोनकर ने छात्राओं को साइबर ठगी से बचने के उपायों की जानकारी दी। उपनिरीक्षक संजना सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान व्यक्ति के फोन, संदेश या इंटरनेट पर भेजे गए संदिग्ध लिंक पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्कता सबसे महत्वपूर्ण है। किसी भी व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, पासवर्ड, एटीएम संबंधी विवरण या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में भी जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने बताया कि अनजान लोगों की ओर से भेजे गए लिंक, संदेश और फोन कॉल का जवाब देने से पहले पूरी तरह सावधानी बरतनी चाहिए। किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने या अज्ञात व्यक्ति को व्यक्तिगत जानकारी देने से आर्थिक नुकसान के साथ-साथ व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़ी परेशानी भी हो सकती है। महिला पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को समझाया कि यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से परेशान करता है, अश्लील संदेश भेजता है, धमकी देता है या किसी तरह की साइबर ठगी का प्रयास करता है तो इसकी जानकारी छिपाने के बजाय तत्काल परिजनों और पुलिस को देनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए उपलब्ध विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई।

बाबा कीनाराम की 427वीं जयंती पर हरिश्चंद्र घाट में होंगे विविध आयोजन

श्मशान पीठ पूजन और योगिनी चक्र पूजन के साथ सजेगी 'एक शाम महाकाल के नाम' की भव्य सांस्कृतिक संध्या

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। अघोरपीठ हरिश्चंद्र घाट काशी की ओर से अघोर चतुर्दशी के पावन अवसर पर परमपूज्य अवधूत श्रेष्ठ बाबा कीनाराम की 427वीं जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। हरिश्चंद्र घाट स्थित महाश्मशान में विशेष पूजन-अनुष्ठान के साथ कार्यक्रमों की शुरूआत होगी, जबकि दूसरे दिन चेत सिंह किला परिसर में भव्य सांस्कृतिक संध्या 'एक शाम महाकाल के नाम' का आयोजन किया जाएगा। अघोरपीठ हरिश्चंद्र घाट काशी के पीठाधीश्वर अवधूत उग्र चंडेश्वर कपाली बाबा ने पत्रकार वार्ता में कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 9 सितंबर की मध्यरात्रि 11 बजे से श्मशान पीठ पूजन का आयोजन होगा। अघोर परंपरा में इस पूजन का विशेष आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। इसके बाद साधकों के आध्यात्मिक उत्थान और साधना की निरंतरता के लिए योगिनी चक्र पूजन का अनुष्ठान संपन्न किया जाएगा।

बाबा कीनाराम की जयंती के अवसर पर 10 सितंबर 2026 को हरिश्चंद्र घाट स्थित चेत सिंह किला के प्रांगण में ह्यएक शाम महाकाल के नामह्न सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। काशी की समृद्ध संगीत परंपरा को समर्पित इस आयोजन में शास्त्रीय वादन, शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय संगीत के साथ लोक संगीत की विभिन्न विधाओं की प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रमुख शहनाई वादक महेंद्र प्रसन्ना के शहनाई वादन से होगा। इसके बाद प्रसिद्ध भजन गायक राजन तिवारी सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए

कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से बाबा मशान नाथ के दरबार में श्रद्धा अर्पित करेंगे। सांस्कृतिक संध्या में प्रभुनाथ राय (दाढ़ी), सम्राट मदन राय, भजन सम्राट बलवंत सिंह, डॉ. अमलेश शुक्ला, श्रद्धा पांडेय, पुनीत पागल बाबा, रिया राज, रोहित वर्मा (आदित्य), पूजा मोदनवात्र, प्रियंका तिवारी, ओम तिवारी, अभिमन्यु मौर्य, राहुल पांडेय, नितिन तिवारी और गणेश मिश्रा सहित कई कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर पीठाधीश्वर कपाली बाबा ने सरकार से चंदौली जनपद का नाम ह्यसंत कीनाराम नगरह्न किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि बाबा कीनाराम की तपस्थली और उनकी आध्यात्मिक विरासत से इस क्षेत्र का गहरा संबंध है। ऐसे में उनके नाम पर जनपद का नामकरण संत की स्मृति और उनके योगदान को सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि बाबा कीनाराम की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि काशी की अघोर परंपरा, आध्यात्मिक विरासत और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। अघोरपीठ की ओर से बताया गया कि बाबा कीनाराम की 427वीं जयंती पर आयोजित यह दो दिवसीय कार्यक्रम धार्मिक आस्था, अघोर साधना और काशी की सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम होगा। महाश्मशान में होने वाले विशेष अनुष्ठानों से जहां अघोर परंपरा की आध्यात्मिक गहराई देखने को मिलेगी, वहीं सांस्कृतिक संध्या में देशभर के कलाकार काशी की संगीत परंपरा को स्वर देंगे। आयोजकों के अनुसार, बाबा कीनाराम की जयंती के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से साधक, श्रद्धालु और कलाकार हरिश्चंद्र घाट पहुंचेंगे। इस दौरान बाबा मशान नाथ के दरबार में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से संत कीनाराम की आध्यात्मिक परंपरा और उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

वन विहार में सजा तीज का रंग, पारंपरिक परिधानों में महिलाओं ने बढ़ाई महोत्सव की रौनक

गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच मनाया गया तीज महोत्सव, नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

मिजार्पुर/वाराणसी। जायसवाल क्लब मिजार्पुर की ओर से आयोजित वन विहार तीज महोत्सव में भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। तीज पर्व के अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सजकर कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई और गीत-संगीत तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर पर्व की खुशियां साझा कीं। संस्थापक अध्यक्ष मनोज जायसवाल की उपस्थिति में आयोजित समारोह में महिलाओं और पुरुषों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जायसवाल क्लब के संरक्षक एवं स्टांप मंत्री रविंद्र जायसवाल ने सभी को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय पर्व और त्योहार हमारी समृद्ध सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से परिवार और समाज के बीच प्रेम, सद्भाव और आपसी सहयोग की भावना मजबूत होती है।

मनोज जायसवाल ने कहा कि सामाजिक आयोजनों का उद्देश्य केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के लोगों को एक मंच पर लाना भी है। उन्होंने समाज की प्रतिभाओं और नवनियुक्त पदाधिकारियों से आगे बढ़कर सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। समारोह के दौरान मिजापुर के

नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नंदलाल जायसवाल ने समाज की ओर से काशी प्रसाद जायसवाल को भारत रत्न दिए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। वहीं पूर्व चेयरमैन मनोज जायसवाल ने शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और राजनीतिक क्षेत्र में समाज की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रदेश प्रवक्ता प्रकाश जायसवाल ने सभी मातृशक्ति को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले नीलकंठ जायसवाल का आभार जताते हुए कहा कि समाज को अपने अधिकारों और उचित भागीदारी के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। उषा जायसवाल और साधना जायसवाल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने तीज के पारंपरिक गीतों पर उत्साहपूर्वक भाग लिया। गीत-संगीत, सांस्कृतिक और मनोरंजक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का खूब मनोरंजन किया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण बढ़ाया। जिलाध्यक्ष आशीष जायसवाल ने कहा कि जायसवाल क्लब भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, जिससे समाज की एकता मजबूत होने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का अवसर मिले। कार्यक्रम का संचालन महानगर अध्यक्ष हर्षित जायसवाल ने किया। महेन्द्र जायसवाल ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर हेमंत जायसवाल, राजेश जायसवाल, रमेश जायसवाल, कमलेश जायसवाल, सुरियावां सहित बड़ी संख्या में महिला और पुरुष उपस्थित रहे।

नगला हरिकरना में जलभराव और जर्जर रास्ते से ग्रामीण परेशान, बीड़ीओ से लगाई गुहार

वेलकम इंडिया संवाददाता

इगलास/अलीगढ़। ग्राम पंचायत भरतपुर के अंतर्गत नगला हरिकरना गांव में लंबे समय से जलभराव, गंदगी और जर्जर रास्तों की समस्या से ग्रामीण परेशान हैं। जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर डीएलएड संयुक्त प्रशिक्षु संघ, जनपद अलीगढ़ के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र चौधरी ने मंगलवार को खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) इगलास चैतन्य पाठक से मुलाकात की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की। धर्मेन्द्र चौधरी ने बीडीओ को बताया कि गांव के मुख्य प्रवेश द्वार पर लंबे समय से जलभराव और कीचड़ की समस्या बनी हुई है। नालियों का गंदा पानी सड़क पर जमा होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली विद्यार्थियों के लिए यह समस्या और अधिक परेशानी का कारण बनी हुई है। मुख्य मार्ग के पास मंदिर होने के कारण श्रद्धालुओं को भी इसी रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार जलभराव के कारण सड़क पर गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। पानी जमा रहने से मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है, जिससे आसपास के लोगों को परेशानी हो रही है। बारिश के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती है। सड़क पर कीचड़ इतना बढ़ जाता है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार समस्या की ओर संबंधित लोगों का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों की मांग है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने के साथ मुख्य मार्ग की मरम्मत कराकर आवागमन सुचारू कराया जाए। बैठक के दौरान श्री जगन्नाथ सिंह के घर से हिंदू एवं मुस्लिम कब्रिस्तान तक जाने वाले जर्जर मार्ग की समस्या भी बीडीओ के सामने रखी गई।

डी.जी.आर. पब्लिक स्कूल, पतला में सीबीएसई क्लस्टर बालिका टेबल टेनिस टूनार्मेंट का आगाज

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। खेल, संस्कृति और प्रतिभा के संगम के साथ डी.जी.आर. पब्लिक स्कूल, पतला में सीबीएसई क्लस्टर कबालिका टेबल टेनिस टूनार्मेंट 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। देश के विभिन्न विद्यालयों से प्रतिभाशाली बालिका खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। समारोह की मुख्य अतिथि एसडीएम कोमल पंवार रहीं।

इस अवसर पर डॉ. अरुण त्यागी (छाया पब्लिक स्कूल), राकेश पायलट त्यागी (नेशनल सेक्रेटरी, राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान) एवं रीता चौधरी (चेयरमैन, पतला) सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

समारोह का एक विशेष आकर्षण विद्यालय के नवनिर्मित ऑडिटोरियम की उद्घाटन पट्टिका का अनावरण रहा, जिसे मुख्य अतिथि एसडीएम कोमल पंवार ने किया।

यह विद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और गौरव का क्षण रहा। कार्यक्रम में गुलबीर सिंह (चेयरमैन/प्रबंधक) एवं डॉ. सोनल चौधरी (डायरेक्टर प्रिंसिपल) ने मेजबान विद्यालय की ओर से अतिथियों एवं प्रतिभागी विद्यालयों का स्वागत किया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सीबीएसई ऑब्जर्वर विपिन कौशिक , रैफरी विभोर खरे, अतुल सिवाच, नदीम (पीटीआई), एनो गुड्डू गुप्ता, कपिल कुमार, तरुण कुमार एवं सचिन चौधरी सहित आयोजन एवं तकनीकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन की व्यवस्थाओं में पूनम, नीरज शर्मा, गुरलीन, भावना त्यागी एवं प्राची ने रजिस्ट्रेशन एवं रिपोर्टिंग डेस्क की जिम्मेदारी संभाली। श्वेता, वर्षा एवं दिव्या ने वीडियोग्राफी एवं मीडिया कवरेज का दायित्व निभाया। वहीं मोनिका एवं अन्य शिक्षकों के सहयोग से विद्यार्थियों ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इन मनमोहक प्रस्तुतियों ने समारोह में सांस्कृतिक रंग भर दिया और उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना से प्रतियोगिता के शुभारंभ को यादगार बना दिया। मैदान पर खिलाड़ियों का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। डी.जी.आर. पब्लिक स्कूल, पतला इस प्रतिष्ठित सीबीएसई क्लस्टर प्रतियोगिता की मेजबानी को गौरव का विषय मानते हुए सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों, विद्यालयों, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों का स्वागत करता है।

तहसील प्रशासन ने भोजपुर के गांव मुकीमपुर में चारागाह की भूमि कब्जामुक्त कराई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उपजिलाधिकारी कोमल पंवार के निर्देशन में राजस्व टीम द्वारा भोजपुर के गांव मुकीमपुर में चारागाह की करोड़ो रुपये कीमत की भूमि कब्जामुक्त कराई। आरोपी काफी समय से चारागाह की भूमि पर अवैध कब्जा कर गन्ने और गुलाब की खेती कर रहा था।

उपजिलाधिकारी कोमल पंवार ने बताया कि गांव मुकीमपुर के खसरा नंबर 543 में चारागाह की 1.2650 हेक्टेयर भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत मिली थी। राजस्व विभाग की टीम ने जांच की तो शिकायत सही पाई गई। उपजिलाधिकारी कोमल पंवार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस बल के साथ चारागाह भूमि को कब्जामुक्त कराया। टीम ने चारागाह की भूमि पर खड़ी ईख और गुलाब की फसल को काटकर उसे कब्जामुक्त करा ग्राम पंचायत के सुपुर्द की।

उपजिलाधिकारी ने बताया कि गांव मुकीमपुर निवासी बिजेंद्र ने चारागाह की लगभग 1.2650 भूमि पर अवैध कब्जा कर उस पर गन्ने और गुलाब की खेती की हुई थी। उपजिलाधिकारी कोमल पंवार ने बताया कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

कनपटी पर गोली मारकर युवक ने की आत्महत्या, खेत में मिला शव

वेलकम इंडिया संवाददाता

अगौता/बुलंदशहर। अगौता थाना क्षेत्र के गांव भंडोली में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक का शव गांव से करीब एक किलोमीटर पहले खेत में पड़ा मिला। युवक की कनपटी पर गोली लगी थी। मौके से 315 बोर का तमंचा, खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव भंडोली निवासी अमित कुमार शर्मा (48) पुत्र रामकुमार शर्मा गांव में परचून की दुकान चलाते थे। परिजनों के मुताबिक सोमवार सुबह करीब 11 बजे वह दुकान का सामान लेने के लिए स्कूटी से बुलंदशहर गए थे। शाम तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान अमित का शव गांव से करीब एक किलोमीटर पहले खेत में पड़ा मिला। उनकी स्कूटी भी शव के पास खड़ी थी। युवक की कनपटी पर गोली लगी हुई थी। मौके पर 315 बोर का तमंचा और उसमें लगा खोखा कारतूस मिला, जबकि जेब से एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार अमित की शर्ट की जेब से एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें एक प्लाट का उल्लेख करते हुए लिखा गया है कि उनकी मृत्यु के बाद उक्त प्लाट की वारिस उनकी पत्नी मीनू देवी होंगी और उस पर किसी अन्य का अधिकार नहीं होगा। परिजनों ने सुसाइड नोट पुलिस को सौंप दिया है। सूचना पर अगौता पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

आर.के.जी.आई.टी. में 'गूगल प्रॉम्प्ट-वॉर्स' जनरेटिव एआई हैकाथॉन का सफल आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आर.के.जी.आई.टी.), के डब्ल्यूआईई-आईईईई. छात्र शाखा द्वारा हैक 2 स्किल एवं गूगल फॉर डेवलपर्स के विशेष सहयोग से 'गूगल प्रॉम्प्ट-वॉर्स' जनरेटिव एआई हैकाथॉन का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग तथा तीव्र अनुप्रयोग विकास का व्यावहारिक एवं तकनीकी अनुभव प्रदान करना था। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकों का प्रयोग करते हुए कम समय में रचनात्मक एवं उपयोगी अनुप्रयोग विकसित करने का अवसर प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों को केवल ढाई घंटे की निर्धारित समय-सीमा में कार्यशील ए . आई. आधारित अनुप्रयोग तैयार करने, उसका परीक्षण करने तथा उसे प्रस्तुत करने की चुनौती

दी गई। विद्यार्थियों ने गूगल एआई स्टूडियो एवं गूगल जेमिनी एपीआई का उपयोग करते हुए विभिन्न प्रकार के नवीन वेब अनुप्रयोग विकसित किए। इन अनुप्रयोगों में उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए इनपुट को समझकर ए.आई. की सहायता से उपयुक्त समाधान प्रस्तुत करने की क्षमता थी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह, रचनात्मकता एवं तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। आयोजन के लिए लगभग दो सौ विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई परियोजनाओं का मूल्यांकन डॉ. पवन गोयल एवं डॉ. रितु अग्रवाल के निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। यह संपूर्ण आयोजन डॉ. अमित सिंघल (विभागाध्यक्ष, सीएसई विभाग) एवं डॉ. गगनजोत कौर के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में डब्ल्यूआईई-आईईईई. छात्र शाखा के सभी छात्र सदस्यों एवं आयोजन समिति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान गौरी नंदना, द्वितीय स्थान नितीश कुमार सिंह एवं तृतीय स्थान वंश गुप्ता ने प्राप्त किया। यह आयोजन विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान, समस्या-समाधान क्षमता और भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान, डायरेक्टर डॉ. बी. सी. शर्मा, डीन एकेडमिक्स डॉ. आर. के. यादव एवं डीन ऐक्रेडिटेशन डॉ. रामेंद्र सिंह ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को धन्यवाद एवं शुभकामनाएं दीं।

बुखार पीड़ित महिला को थमा दी एच आई वी पाज़िटिव रिपोर्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

औरंगाबाद/ बुलंदशहर। कस्बे के एक नामचीन अस्पताल में बुखार पीड़ित महिला को अस्पताल के डायोग्नोस्टिट जांच सैटर में जांच के उपरांत जांच रिपोर्ट में महिला को एचआईवी पॉजिटिव करार देते हुए मेरठ मैडिकल कॉलेज रैफर कर दिया गया। मेरठ मैडिकल कॉलेज में महिला की हुई जांच रिपोर्ट में महिला की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। पीड़िता के परिजनों ने जिलाधिकारी से अस्पताल के कार्यकलापों की , जांच सैंटर की जांच कराकर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। सचिन कुमार पुत्र तेजपाल सिंह निवासी आवास विकास द्वितीय बुलंदशहर द्वारा जिलाधिकारी को सौंपे गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि उसने अपनी मौसी की विवाहिता पुत्री ममता निवासी ग्राम देहरा को बुखार होने के कारण एक सितंबर को औरंगाबाद में एक अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल में भर्ती के उपरांत अस्पताल के जांच सैंटर में उसकी जांच कराई गई। अस्पताल द्वारा दी गई रिपोर्ट में ममता को एचआईवी पॉजिटिव करार देते हुए मेरठ मैडिकल कॉलेज रैफर कर दिया गया। मेरठ मैडिकल कॉलेज में जांच रिपोर्ट में ममता की एच आई वी रिपोर्ट नैगेटिव पाई गई। जिससे स्पष्ट है कि औरंगाबाद के अस्पताल में गलत रिपोर्ट देकर मरीजोंकी जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। शिकायत कर्ता ने जिलाधिकारी से अस्पताल की जांच कराकर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार दोहरे ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है ।

मंडलीय बैडमिंटन और टेबल टेनिस प्रतियोगिता में मोदी कॉलेज के छात्रों ने जीते गोल्ड मेडल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसएसबी इंटर कॉलेज हापुड़ में आयोजित मंडलीय बैडमिंटन और टेबल टेनिस प्रतियोगिता में डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर के 4 छात्रों ने गोल्ड मेडल जीत कर राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपना चयन पक्का कर लिया है । विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि मंडल स्तर की प्रतियोगिता में विद्यालय के साथ छात्रों ने विद्यालय के खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह और श्रीमती प्रीति शर्मा के निर्देशन में प्रतिभाग किया था अब ये छात्र 23 सितंबर से 26 सितंबर तक बरेली में आयोजित राज्य स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इसी प्रकार शतरंज की खेल प्रतियोगिता में मंडल स्तर पर विद्यालय के साथ छात्रों में प्रतिभाग किया था। जिनमें से तीन छात्रों ने गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश स्तर की प्रतिभागिता प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया प्रदेश स्तर की शतरंज प्रतियोगिता 8 सितंबर से 11 सितंबर तक अलीगढ़ में आयोजित की जा रही है । जिसमें हमारे विद्यालय के चार छात्र शतरंज में अपना परचम लहराएंगे। राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में मंडल स्तर की प्रतियोगिता में विद्यालय के 7 छात्रों प्रतिभाग किया था जिसमें से पांच छात्रों में प्रदेश स्तर के लिए अपना स्थान बना लिया है।विद्यालय के छात्र माध्यमिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में आयोजित हर खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले सप्ताह विद्यालय के चार छात्रों ने कराटे में भी गोल्ड मेडल जीता था पिछले वर्ष कराटे प्रतियोगिता में विद्यालय के दो छात्रों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करके विद्यालय ही नहीं जनपद व मंडल का नाम रोशन किया था।

बाजार में जाम और शराब ठेके पर असामाजिक तत्वों के जमावड़े से व्यापारी परेशान

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। नगर में बिगड़ती यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक स्थानों पर असामाजिक तत्वों के जमावड़े को लेकर उद्योग व्यापार मंडल भारत के पदाधिकारियों ने मंगलवार को कोतवाली पहुंचकर वरिष्ठ उपनिरीक्षक रविंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने समस्याओं के शीघ्र समाधान के साथ पुलिस व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की। ज्ञापन में व्यापारियों ने बताया कि बड़े बाजार में आए दिन भीषण जाम की स्थिति बनी रहती है। बाजार में वाहनों की आवाजाही और अतिक्रमण के कारण राहगीरों तथा दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। व्यापारियों ने बाजार में यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए स्थायी रूप से दो पुलिसकर्मियों की तैनाती किए जाने की मांग की। इसके अलावा बेरीना रोड स्थित देशी शराब के ठेके के आसपास असामाजिक तत्वों के जमावड़े का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। व्यापारियों का कहना है कि यहां आए दिन लोगों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में असुरक्षा का माहौल रहता है। व्यापार मंडल ने इस पर प्रभावी रोक लगाने के लिए दिन में कम से कम तीन से चार बार पुलिस फैंटम राइडर्स से गश्त कराने की मांग की। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने रोष जताते हुए कहा कि इन समस्याओं को लेकर पूर्व में भी पुलिस प्रशासन को ज्ञापन दिया जा चुका है। उस समय महज दो-चार दिनों के लिए दो होमगार्डों की ड्यूटी लगाकर औपचारिकता पूरी कर दी गई, लेकिन इसके बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर का पैथोलॉजी लैब हुआ उच्चकृत, विधिवत उद्घाटन 10 सितंबर को

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर तथा उपाध्यक्ष प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ शाखा गाजियाबाद डॉ.दिनेश कुमार द्वारा अवगत कराया गया है कि 10 सितंबर 2026 से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर के पैथोलॉजी विभाग में' स्पोक और हब' मॉडल के माध्यम से उचिकृत किया जा रहा है। जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर पर जो पैथोलॉजी की जांच उपलब्ध नहीं थी जैसे HBÔ1c, विटामिन बी12 विटामिन डी तथा थाइरॉएड प्रोफाइल इत्यादि वह सभी जांच अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर पर प्रारंभ हो रही है। जिसका विधिवत उद्घाटन 10 सितंबर 2026 को विधायक डॉ मंजू सिवाच के द्वारा पैथोलॉजी लैब में फीता काटकर किया जाएगा।,इस मौके पर पहली जांच डॉक्टर मंजू शिवाच स्वयं अपना ब्लड सैंपल देकर कराएंगी ,ताकि लोगों में अधिक से अधिक जागरूकता फहले और ज्यादा से ज्यादा लोग सरकार के इस स्पोक और हब मॉडल, का लाभ ले सकें। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद डॉ.सचिन चंद्र वैश्य तथा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.अमित विक्रम व कार्यक्रम प्रभारी उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.रविंद्र कुमार भी उपस्थित रहेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद द्वारा बताया गया कि इस 'स्पोक और हब' मॉडल का सबसे अधिक फायदा गर्भवती महिलाओं को मिलेगा जो कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर जांच हेतु आती हैं परंतु यह जांच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर पर उपलब्ध न होने के कारण उन्हें या तो जिला अस्पताल जाना पड़ता था या मेरठ मेडिकल कॉलेज। मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद द्वारा बताया गया है कि यह सभी जांच अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर पर भी, निशुल्क उपलब्ध हो जाएंगे।

शिक्षिका प्रतिभा रानी को राज्यपाल पुरस्कार मिलने पर स्वागत किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। रालोद के प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया ने मेरठ के गांव हर्रा प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका प्रतिभा रानी का राज्यपाल पुरस्कार मिलने पर विद्यालय में पुष्प देकर स्वागत किया ।रणवीर दहिया ने शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार एवं भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके योगदान के प्रति सदैव सम्मान एवं कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। इस मौके पर रवि भारत चिकारा रहे।

सात सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम स्याना को राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। विश्व सनातन हिंदू फाउंडेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश चौहान के नेतृत्व में मंगलवार को क्षेत्र के गांव रवानी कटीरी में सात सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम स्याना को सौंपा गया। ज्ञापन में यूजीसी के विवादित प्रावधानों को समाप्त करने अथवा लागू करने से पहले सभी संबंधित पक्षों से व्यापक एवं पारदर्शी परामर्श करने की मांग की गई। ज्ञापन के माध्यम से आरक्षण व्यवस्था में क्रीमी लेयर की व्यापक एवं निष्पक्ष समीक्षा, आरक्षण के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक प्रभावों का स्वतंत्र अध्ययन तथा आवश्यक सुधार

किए जाने की मांग उठाई गई। इसके साथ ही सामान्य स्वर्ण वर्ग की सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक समस्याओं के अध्ययन और समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण आयोग तथा उत्तर प्रदेश में राज्य स्तरीय स्वर्ण आयोग के गठन की मांग की गई। संगठन ने सामान्य स्वर्ण वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों, युवाओं और परिवारों के लिए शिक्षा, रोजगार, छात्रवृत्ति एवं आर्थिक सहायता की प्रभावी योजनाएं सुनिश्चित करने की भी मांग रखी। वहीं एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम-1989 की व्यापक समीक्षा कर वास्तविक पीड़ितों की सुरक्षा के साथ कथित झूठी अथवा दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के संभावित दुरुपयोग को रोकने, निष्पक्ष जांच और निर्दोष नागरिकों के कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक संशोधन किए जाने की मांग की। ज्ञापन में सभी नागरिकों के लिए समान न्याय और विधि के शासन को प्रभावी रूप से सुनिश्चित करने तथा किसी भी वर्ग के साथ अन्याय अथवा अनावश्यक भेदभाव नहीं किए जाने की मांग भी शामिल रही। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीओ स्याना रामकरण सिंह, नरसेना थाना प्रभारी रामकिशोर गौतम और बुगरासी चौकी प्रभारी नीटू मलिक पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। इस दौरान ज्ञानेश चौहान, पवनेश राघव, हर्षित चौहान, नवनीत सिंह, अनीता लोधी, जितेंद्र सिंह, अभिषेक चौधरी, आशीष चौहान, कृष्ण कुमार, सुनील चौहान, गिरीश चौहान, अनिल राघव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सीएम की बड़ी सौगात, मानदेय बढ़ा; ₹5 लाख का कैशलेस बीमा

=कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। अयोध्या में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं एवं महिला कल्याण विभाग के लाभार्थियों के सम्मान समारोह का मंगलवार को गाजियाबाद के विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में सजीव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप और विशिष्ट अतिथि सदर विधायक संजीव शर्मा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ाकर 12 हजार तथा सहायिकाओं का 6 हजार प्रतिमाह करने की घोषणा की। साथ ही प्रदेश की सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को प्रतिवर्ष 5 लाख का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा देने की सौगात दी। घोषणा सुनते ही कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने तालियां बजाकर खुशी जताई।

इस दौरान गर्भवती महिलाओं की गोदभराई, बच्चों का अन्नप्राशन और उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व मुख्य सेविकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड और मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

विधायक को धमकी देने वाला इनामी हाजी सलमान पुलिस के हत्थे चढ़ा, पंचायतों से गरमाया लोनी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर को सोशल मीडिया के जरिए टांग तोड़ने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने 25 हजार रुपये के इनामी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हाजी सलमान को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के दौरान भागने की कोशिश में सलमान की कार पेड़ से टकरा गई, जबकि उसके साथ मौजूद दो युवक मौके से फरार हो गए। पुलिस सलमान को सड़क मार्ग से गाजियाबाद ला रही है।

इधर, सलमान की गिरफ्तारी के बाद उसके अधिवक्ता ने ई-मेल भेजकर पुलिस हिरासत में उसकी जान को खतरा होने की आशंका जताई है। दूसरी ओर, प्रेस कांफ्रेंस में हुए हंगामे और गाली-गलौज के बाद लोनी क्षेत्र के गुर्जर बहुल गांवों में समर्थन और विरोध में पंचायतों का दौर जारी है। टीला गांव में ईश्वर मावी ने विधायक के खिलाफ पंचायत की, जबकि रिस्तल और निठौरा में विधायक के समर्थन में पंचायतें हुईं। मामले को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक चचाएं तेज हैं।

नई बलेनो 4th जेनरेशन की धमाकेदार एंट्री, विधायक संजीव शर्मा ने किया भव्य शुभारंभ

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रीजन्ट ऑटोलिंक नेक्सा में नई बलेनो 4३ँ जेनरेशन की भव्य लॉन्चिंग समारोहपूर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम में शहर विधायक संजीव शर्मा ने नई बलेनो का शुभारंभ किया।

इस दौरान नई बलेनो के आकर्षक डिजाइन, आधुनिक तकनीक और नई खूबियों को लेकर ग्राहकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

लॉन्चिंग समारोह में रीजन्ट ऑटोलिंक नेक्सा के सीईओ दिलीप शर्मा एवं जनरल मैनेजर नितिन कौशिक सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कंपनी प्रबंधन ने अतिथियों और ग्राहकों को नई बलेनो की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी दी। विधायक संजीव शर्मा ने नई बलेनो का अवलोकन करते हुए कंपनी प्रबंधन को शुभकामनाएं दीं।

समारोह के दौरान बड़ी संख्या में ग्राहक एवं ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे। नई बलेनो की लॉन्चिंग को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल रहा।

विधायक को धमकी देने वाला 25 हजार का इनामी हाजी सलमान चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे सशक्त अभियान के तहत गाजियाबाद पुलिस की स्वाट टीम और अपराध शाखा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना लोनी में दर्ज गंभीर मामलों में वांछित एवं 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी हाजी सलमान खान पुत्र बिंदु खान निवासी गौरी पट्टी, लोनी को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 2 सितंबर को वादी सुमित सूद ने हाजी सलमान समेत अन्य आरोपियों और करीब 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ जान से मारने की नीयत से हमला, जातिसूचक शब्दों के प्रयोग, लूटपाट और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके अलावा 4 सितंबर को लोनी बॉर्डर थाने में भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं धमकी भरे वीडियो प्रसारित करने के मामले में भी हाजी सलमान के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त ग्रामीण द्वारा 5 सितंबर को 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। मंगलवार को स्वाट टीम व अपराध शाखा ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

ऑपरेशन कवच 2.0: अनधिकृत बसों पर परिवहन विभाग का शिकंजा, 13 बसों पर कार्रवाई

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। अनधिकृत रूप से संचालित बसों के खिलाफ परिवहन विभाग ने 'ऑपरेशन कवच 2.0' के तहत लगातार दूसरे दिन भी सघन प्रवर्तन अभियान चलाया। 8 सितंबर को विभाग की विभिन्न टीमों ने प्रमुख मार्गों, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों, बस अड्डों और चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर बसों की जांच की। अभियान के दौरान परमिट शर्तों का उल्लंघन करने और वैध अभिलेखों के बिना संचालित 13 बसों के खिलाफ चालान एवं बंद करने की कार्रवाई की गई।

इसके साथ ही एनजीटी के निदेशों के अनुपालन में 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों के खिलाफ भी अभियान चलाया गया। जांच में आयु सीमा पूरी कर चुके 32 वाहनों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई की गई तथा उन्हें पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्रों के माध्यम से स्क्रैप कराने की प्रक्रिया शुरू की गई।

एआरटीओ प्रवर्तन विनीत कुमार मिश्र ने बताया कि अभियान का उद्देश्य अनधिकृत वाहनों पर रोक लगाने के साथ वायु प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना है। कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। वहीं, विनीत कुमार मिश्र व अंकिता शुक्ला ने आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सोसाइटियों में खड़े अनुपयोगी पुराने वाहनों को चिन्हित कर स्क्रैप कराने के लिए वाहन स्वामियों को जागरूक करने की अपील की।

चेकिंग के दौरान वेव सिटी पुलिस के हत्थे चढ़ा तमंचेबाज, .315 बोर का तमंचा व कारतूस बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना वेव सिटी पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 8 सितंबर 2026 को मैनुअल इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने इकला मार्ग से गुर्जरगढ़ी मार्ग तिराहे के पास पुख्ता डाबर मार्ग की दक्षिण दिशा में स्थित ट्यूबवैल के पास चेकिंग की। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में मिले आकाश शर्मा उर्फ ढब्बू (22) पुत्र सुनील शर्मा, निवासी ग्राम सादतनगर इकला, थाना वेव सिटी, गाजियाबाद को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा .315 बोर और एक जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किया। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध थाना वेव सिटी में धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है।

गाजियाबाद पुलिस का मेगा एक्शन प्लान, अपराधियों से लेकर त्योहारों तक पैनी नजर

गणेश चतुर्थी-नवरात्रि पर सुरक्षा चाक-चौबंद, हर चुनौती से निपटने को पुलिस तैयार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। पुलिस कार्यालय के मीटिंग हॉल में मंगलवार को पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा गोष्ठी आयोजित हुई। बैठक में दिल्ली में होने वाले 18वें BRICS SUMMIT-2026 तथा गणेश चतुर्थी और शारदीय नवरात्रि के मद्देनजर कानून-व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा की गई। पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को हर स्तर पर सतर्कता और प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में लूट, स्नैचिंग, वाहन चोरी, चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए तैयार कार्ययोजना की प्रगति परखी गई। लंबित विवेचनाओं का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने को कहा गया। एसएसओ और सीसीएमएस पोर्टल की कार्यवाहियों की भी समीक्षा हुई। यक्ष एप के जरिए अपराधियों के सत्यापन और हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

धार्मिक आयोजनों में शांति-सौहार्द बनाए रखने के साथ इफ्क्कुर समिट के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए।

सम्राट चौक मार्केट में निगम की दस्तक, प्लास्टिक मुक्त बाजार का दिया संदेश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विजय नगर जोन के वार्ड-55 स्थित सम्राट चौक मार्केट में गाजियाबाद नगर निगम की रइट टीम ने जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान व्यापारियों और दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने के लिए जागरूक किया गया।

निगम टीम ने दुकानदारों से दुकानों पर गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग दो डस्टबिन रखने की अपील की। साथ ही बाजार में स्वच्छता बनाए रखने और कूड़े का उचित निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए व्यापारियों को जागरूक किया गया।

अधिकारियों ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है। व्यापारियों और नागरिकों के सहयोग से शहर को स्वच्छ, हरित और प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। निगम की टीम ने लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार कर स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

गाजियाबाद के विकास को लेकर संजीव शर्मा ने डीएम से की अहम मुलाकात, उठाए 9 प्रमुख मुद्दे

जनहित के मुद्दों पर संजीव शर्मा सख्त, बोले- विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। शहर विधायक संजीव शर्मा ने जिलाधिकारी से राजनगर स्थित उनके आवास पर मुलाकात कर विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की। विधायक ने कहा कि जनता से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग समयबद्ध तरीके से गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करें। बैठक में लाइनपार क्षेत्र में बालिका डिग्री कॉलेज की स्थापना, गौर सिद्धार्थ सोसाइटी में गंगाजल आपूर्ति, जल निगम की पांच पानी की टंकियों के हस्तांतरण, आधार सेंटर की स्थापना और महामाया स्टेडियम के निर्माण कार्यों में हुई अनियमितताओं की जांच का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। इसके अलावा क्रॉसिंग रिपब्लिक में फायर स्टेशन, श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर कॉरिडोर, समाज कल्याण विभाग की भूमि तथा NHAI और PWD से संबंधित सड़क चौड़ीकरण के मामलों पर भी चर्चा हुई। विधायक ने कहा कि गाजियाबाद का समग्र एवं संतुलित विकास उनकी प्राथमिकता है और जनहित से जुड़े मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

गाजियाबाद के होनहारों ने दिखाया हुनर, कला उत्सव में प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन

कला उत्सव में गूंजा गाजियाबाद के हुनर का सुर, 175 विद्यार्थियों ने दिखाया दम

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, विजय नगर के सभागार में मंगलवार को जनपद स्तरीय कला उत्सव 2026-27 का आयोजन किया गया। समग्र शिक्षा (माध्यमिक) के तहत आयोजित उत्सव का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक बुद्ध प्रिय सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में करीब 85 विद्यालयों के 175 छात्र-

छात्राओं ने प्रतिभाग कर गायन, वादन, दृश्य कला, नृत्य, नाटक और पारंपरिक कहानी वाचन जैसी विधाओं में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पिछले वर्ष शास्त्रीय नृत्य में राष्ट्रीय विजेता रहीं अग्रिका भारद्वाज को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए कला के क्षेत्र में सफलता के लिए जरूरी सुझाव दिए। विभिन्न विधाओं के विशेषज्ञों ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। आयोजन में डॉ. विभा चौहान का विशेष सहयोग रहा, जबकि नोडल प्रभारी रुचि शर्मा ने व्यवस्थाओं का संचालन किया। सह-जिला विद्यालय निरीक्षक सतीश कुमार पाण्डेय सहित विद्यालयों के प्रधानाचार्य मौजूद रहे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति और भारतीय संस्कृति से जुड़ने का प्रभावी मंच प्रदान किया।